RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 201 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 16-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अफगानिस्तान को शीर्ष टीमों के खिलाफ और अधिक मैच खेलने की जरूरत है : राशिद

6 बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

7 भूमि पेडनेकर ने 'द लेडी किलर' को लेकर तोड़ी चुप्पी

फर्स्ट टेक

गाजा में संभावित शांति मिशन के लिए हमारे आठ हजार सैनिक तैयार : इंडोनेशिया

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया की सेना ने रविवार को कहा कि जून के अंत तक मानवीय और शांति मिशन के लिए गाजा में संभावित तैनाती के लिए उसके आठ हजार सैनिक तैयार होने की उम्मीद है। अमेरिक के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध के बाद गाजा के पुनर्निर्माण को लेकर पेश योजना के एक महत्वपूर्ण तत्व सैनिकों की तैनाती की तरफ इंडोनेशिया की यह पहली ठोस प्रतिबद्धता है। इंडोनेशियाई सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल डोनी प्रमोनो ने कहा कि इंडोनेशियाई राष्ट्रीय सशस्त्र बलों (टीएनआई) ने गाजा में सैनिकों की प्रस्तावित संरचना और तैनाती के लिए समयसीमा को अंतिम रूप दे दिया है। हालांकि, सरकार ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि तैनाती कब होगी।

बांग्लादेश का नया मंत्रिमंडल 17 फरवरी को लेगा शपथ

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित संसद सदस्य मंगलवार सुबह शपथ लेंगे और इसके बाद शाम को मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होगा। स्थानीय मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन सुबह 10 बजे नव निर्वाचित संसद सदस्यों को शपथ दिला सकते हैं, जबकि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन शाम चार बजे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष तारिक रहमान के नए मंत्रिमंडल को शपथ दिलाएंगे। निर्वाचन आयोग (ईसी) के अनुसार, बीएनपी ने 297 में से 209 सीट जीतीं, जबकि दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी को 68 सीट पर जीत मिलीं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस के काला सागर स्थित बंदरगाह पर लगी आग

कीव/एपी। यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूस के काला सागर स्थित बंदरगाहों में से एक में आग लग गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना ऐसे समय में हुई है जब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका की मध्यस्थता में यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत होने वाली है। क्षेत्रीय गवर्नर वेनियामिन कोंड्राटयेव के अनुसार, क्रास्नोदार क्षेत्र के तमन बंदरगाह पर हुए हमले में दो लोग घायल हो गए, जिससे एक तेल भंडारण टैंक, गोदाम और टर्मिनल क्षतिग्रस्त हो गए। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि रूसी ड्रोन से गिरे मलबे ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में नागरिक और परिवहन संबंधी बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है।

सूर्यास्त	सूर्योदय
16-02-2026 6:14 बजे	17-02-2026 6:30 बजे

BSE	NSE
82,626.76	25,471.10
(-1,048.16)	(-336.10)

सोना	चांदी
16,243 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	259,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रोको संतति

चाहे कितने हों संसाधन,
सीमाएं फिर भी है निश्चित।
धरती की अपनी मर्यादा,
इससे संयुक्त सभी के हित।
यदि ना संभले दोहन करते,
तो महा समर है संभावित।
रोको संतति की प्रचुर वृद्धि,
करना होगा इसको सीमित।।

महाशिवरात्रि

रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु धारवाड में सोमेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी और सरकार द्वारा उठाए गए कदम उन्हें सशक्त बनायेंगे। प्रधानमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में यह गर्व का विषय रहा है कि भारतीय महिलाएं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''चाहे अंतरिक्ष हो या स्टार्ट-अप, वे बड़ा प्रभाव डाल रही हैं।''

मोदी ने कहा कि महिलाओं का कल्याण उनकी सरकार के हर फैसले का मार्गदर्शन करता है और प्रत्येक जिले में बालिकाओं के लिए 'स्टेम' (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) छात्रावास स्थापित करने की नई पहल से महिलाओं में शिक्षा और नवाचार में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष 1.5 लाख देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित करने और सहायक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए संस्थानों का विस्तार करने का निर्णय स्वास्थ्य देखभाल कार्य को औपचारिक रूप देगा, जो काफी हद तक अनौपचारिक क्षेत्र तक ही सीमित रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित करने से महिलाओं के लिए सम्मानजनक, प्रमाणित रोजगार के अवसर बनेंगे और साथ ही भारत की स्वास्थ्य क्षमता भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में अर्थव्यवस्था के नए युग के क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है और 15,000 विद्यालयों तथा 500 महाविद्यालयों में 'एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग और कॉमिक्स) कंटेंट क्रिएटर लैब्स' तथा औपचारिक रचनात्मक ढांचे की स्थापना के जरिए सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचे।

सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र है भारत : मोहन भगवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भगवत ने भारत को सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र बताते हुए रविवार को जोर देकर कहा कि देश की सभ्यतागत विचारधारा लेन-देन वाले संबंधों के बजाय एकता और आपसी जुड़ाव की भावना पर आधारित है। आरएसएस के मीडिया प्रकोष्ठ ने यह जानकारी दी।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में आयोजित 'सामाजिक सद्भाव' सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा, कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है। हमारे देश में मानवीय रिश्ते अपनेपन की भावना पर आधारित हैं।

भारत की विविधता पर प्रकाश डालते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा, हम भारत को अपनी माता मानते हैं। वही दिव्य चेतना हम सब में निवास करती है। यही बंधन हमें हमारी भिन्न-भिन्न पहचानों के बावजूद एकजुट रखता है। उन्होंने कहा कि समाज को कायम रखने के लिए केवल कानून लागू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी आवश्यक है।

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि यह उपलब्धि जश्न मनाने का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का विषय है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

सिद्दरामय्या ने किसानों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से किया सवाल

बेंगलूरु/भाषा। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के प्रभाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जवाब मांगते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि देश के किसान 'सौदेबाजी के मोहरे नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवनरेखा हैं'। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे 'भारत के हितों से समझौता न करें, राजनीतिक लाभ के लिए किसानों का सौदा न करें अथवा विदेशी दबाव के आगे न झुकें।'

मुख्यमंत्री की ये टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में आई, जिससे व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर विपक्ष का हमला और तेज हो गया है। सिद्दरामय्या ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई सवाल पूछते हुए दावा किया कि भारतीय किसानों के साथ 'धोखा' किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, '' भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का हमारे किसानों, दुग्ध उद्योग, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली और भारत की दीर्घकालिक कृषि स्वतंत्रता पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में राहुल गांधी द्वारा उठाई गई चिंताओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्पष्ट और ईमानदार जवाब दिया जाना चाहिए।

भारत में एआई नेतृत्वकर्ता बनने की पूरी क्षमता : सैम ऑल्टमैन

नई दिल्ली/भाषा। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने कहा है कि भारत में पूर्ण रूप से एआई नेतृत्वकर्ता बनने की सभी आवश्यक क्षमताएं मौजूद हैं। ऑल्टमैन ने देश की प्रौद्योगिकी प्रतिभा, राष्ट्रीय रणनीति और एआई की संभावनाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को इसकी बड़ी ताकत बताया। उन्होंने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बताते हुए दैनिक अखबार 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में लिखा कि भारत घरेलू प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता और सरकार की नीतिगत पहल के जरिये एआई को बड़े पैमाने पर लागू करने में आगे है। ओपनएआई के सीईओ ने सरकार के भारत एआई मिशन का उदाहरण देते हुए कहा कि यह मिशन कंप्यूट क्षमता बढ़ाने, स्टार्टअप का समर्थन करने और स्वास्थ्य, कृषि तथा सार्वजनिक सेवाओं में बहुभाषी एआई अनुप्रयोगों को तेजी से लागू करने के लिए बनाया गया है, ताकि एआई करोड़ों लोगों के लिए एक आवश्यक माध्यम बन सके। उन्होंने भारत में एआई टूल की तेजी से स्वीकार्यता को भी सराहा और कहा कि अब देश में साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 10 करोड़ है, जो अमेरिका के बाद दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में भारत में सबसे ज्यादा विद्यार्थी चैटजीपीटी का उपयोग करते हैं।

तमिलनाडु में सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

तूतीकोरिन (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के वैप्पार-ख गांव में रविवार को एक दोपहिया वाहन के एक पर्यटक वाहन से टक्कर हो जाने के बाद दो बच्चों समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया और अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। यहां जारी एक बयान में स्टालिन ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यह जानकर गहरा सदमा पहुंचा कि सामने से आ रहे एक वाहन से टक्कर हो जाने के बाद दोपहिया वाहन सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तीन और पांच वर्ष की आयु के दो लड़के शामिल थे।

अंतरिक्ष कार्यक्रम प्राचीन वैज्ञानिक विरासत की भारत की आधुनिक अभिव्यक्ति हैं : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर (तमिलनाडु)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां कहा कि चंद्रयान और आदित्य-एल1 जैसे भारत के अंतरिक्ष मिशन केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं हैं, बल्कि यह इस बात की आधुनिक अभिव्यक्ति हैं कि प्राचीन वैज्ञानिक चेतना हमेशा से हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रही है।

सद्गुरु के नेतृत्व वाले ईशा योग केंद्र में आयोजित महाशिवरात्रि समारोह के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि सूर्य और चंद्रमा केवल खगोलीय पिंड नहीं हैं, बल्कि हमारे कैलेंडर और त्योहारों का आधार भी हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे व्रत, त्योहार और शुभ मुहूर्त सटीक वैज्ञानिक गणनाओं के आधार पर तय किए जाते हैं। आज चंद्रयान और अन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम हमारी प्राचीन वैज्ञानिक विरासत की आधुनिक अभिव्यक्ति हैं, जहां परंपरा और तकनीक साथ-साथ आगे बढ़ती हैं।'' सिंह ने कहा, ''जब भारत चंद्रयान (चंद्र मिशन), मंगलयान (मंगल मिशन) और आदित्य-एल1 (सूर्य मिशन) जैसे अभियानों को प्रक्षेपित करता है, तो यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उस प्राचीन चेतना की आधुनिक अभिव्यक्ति भी होती है जो हमेशा हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रही है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम अंतरिक्ष में उपग्रह भेज रहे हैं, वैसे-वैसे हम अपनी वैज्ञानिक संस्कृति को भी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर हमारे सैनिक संकट के समय शिव की भावना से मानवीय सहायता प्रदान करते हैं, वहीं दूसरी ओर आवश्यकता पड़ने पर 'रुद्र' की तीव्रता के साथ ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों को अंजाम देते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे सैनिकों के भीतर की शक्ति हमारी संस्कृति से, भगवान शिव की प्रेरणा से आती है।''

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित रहे।

भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हराकर सुपर आठ में जगह बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। सलामी बल्लेबाज इशान किशन के तूफानी अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने रविवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान पर 61 रन की एकतरफा जीत के साथ सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई किया।

भारत के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम हार्दिक पंड्या (16 रन पर दो विकेट), वरुण चक्रवर्ती (17 रन पर दो विकेट), जसप्रीत बुमराह (17 रन पर दो विकेट) और अक्षर पटेल (29 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18 ओवर में 114 रन पर सिमट गई।

पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान (44) के अलावा कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। उनके अलावा सिर्फ शाहीन शाह अफरीदी (नाबाद 23) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

टी20 विश्व कप में यह भारत की पाकिस्तान के खिलाफ नौ मैचों में आठवीं जीत है जबकि उसे सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

इशान ने स्पिन की अनुकूल पिच पर 40 गेंद में 10 चौकों और तीन छक्कों से 77 रन की पारी खेलने के अलावा तिलक वर्मा (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 87 रन जोड़े जिससे भारत ने सात विकेट पर 175 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (32) और शिवम दुबे (27) ने भी उपयोगी पारियां खेली।

पाकिस्तान ने 18 ओवर स्पिनरों कराए जिसमें सईम अयूब 25 रन पर तीन विकेट चटकाकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। शाहीन ने दो ओवर में 31 रन लुटाए और उन्हें एक विकेट मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में 13 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर के दो जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ी दो महिला उग्रवादियों समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक बयान के अनुसार ये गिरफ्तारियां शनिवार को तेंगनौपाल और इंफाल पूर्व जिलों से की गईं। सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले में सनराइज ग्राउंड के पास से प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की दो महिला सदस्यों को गिरफ्तार किया जिनकी पहचान अकोइजम सखेनबी (23) और चोंगथम हेमबेबी (17) के रूप में हुई है। एक अन्य उग्रवादी को प्रतिबंधित संगठन प्रीपैक (प्रो) से जुड़ा बताया गया है, जिसे इंफाल पूर्व जिले के नापेटपल्ली इलाके से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान इंगुडम इंगोचा सिंह (50) के रूप में हुई है और उसके पास से पांच कारतूस सहित .32 बोर की पिस्तौल बरामद की गई। इसी बीच, सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को चुराचांदपुर जिले के सिजांग कुकी गांव के पास 10 किलोग्राम का आईईडी बरामद किया, जिसे बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया।

स्टालिन 'कठपुतली नेता' है जो सिर्फ झूठ बोलते है : अन्नाद्रमुक प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईरोड (तमिलनाडु)/भाषा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम(अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने रविवार को मुख्यमंत्री एम. के स्टालिन पर तीखा हमला करते हुए उन्हें काम करने के बजाय विज्ञापनों और झूठ पर आधारित सरकार का नेतृत्व करने वाला ''कठपुतली नेता'' करार दिया।

विपक्ष के नेता ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ''तमिलनाडु के इतिहास में अगर भारत में कोई ऐसा मुख्यमंत्री है जिसमें प्रशासनिक क्षमता की कमी है, बुनियादी ज्ञान का अभाव है, जो केवल झूठे दावे करने वाले हों और पूरी तरह से विज्ञापनों पर निर्भर सरकार चलाते हों तो वह यह कठपुतली मुख्यमंत्री स्टालिन है।''

पलानीस्वामी ने भवानी सागर निर्वाचन क्षेत्र में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''वह हर दिन किसी योजना के लिए एक नए नाम की घोषणा करते हैं और एक फोटो शूट करवाते हैं; बात यहीं खत्म हो जाती है।'' उन्होंने द्रमुक द्वारा लगाए गए उन आरोपों का भी खंडन किया कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ''गुलाम'' है।

भारत 'बेहद सफल' उभरती अर्थव्यवस्था, एआई शिखर सम्मेलन के लिए उपयुक्त स्थान : संरा प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि भारत वैश्विक मामलों में प्रभाव रखने वाली एक 'बेहद सफल' उभरती अर्थव्यवस्था है और यह एआई शिखर सम्मेलन के लिए उपयुक्त स्थान है।

'इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में गुतारेस ने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम मेधा (एआई) से पूरी दुनिया को लाभ होना चाहिए, न कि यह केवल विकसित देशों या दो महाशक्तियों के लिए आरक्षित विशेषाधिकार हो। उन्होंने कहा, ''मैं इस शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत को हार्दिक बधाई देता हूं। यह अत्यंत आवश्यक है कि एआई का विकास हर किसी के लाभ के लिए हो और 'ग्लोबल साउथ' के देश भी एआई के लाभ का हिस्सा बनें।''

दिल्ली कारोबारी हत्या मामला: लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। उत्तरी दिल्ली के बाहरी इलाके में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में हाल ही में 35 वर्षीय व्यवसायी की हत्या के सिलसिले में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने कुछ संदिग्धों को रोका। चुनौती दिए जाने पर आरोपियों ने कथित तौर पर भागने के प्रयास में पुलिस दल पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे संक्षिप्त मुठभेड़ हुई। गोलीबारी के दौरान, एक आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे काबू में कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दो अन्य को बाद में गिरफ्तार किया गया, जिससे इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या पांच हो गई है। पुलिस ने यह भी बताया कि इस अभियान के दौरान उनके किसी भी जवान को गंभीर चोट नहीं आई। प्लास्टिक दाना निर्माता वैभव गांधी की नौ फरवरी को दोपहर करीब 12.50 बजे डीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर चार में स्थित उनके कारखाने के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई।

जांचकर्ताओं ने बताया था कि हमले में चार लोग शामिल थे। हमलावरों ने कथित तौर पर पहले पीड़ित की कार की चाबियां छीनने की कोशिश की और जब उसने विरोध किया तो उसका लैपटॉप बैग जबरदस्ती छीन लिया और फिर उसे करीब से गोली मार दी। घटना के बाद पुलिस ने गांधी की कार से करीब एक करोड़ रुपए भी बरामद किए थे। एक दिन बाद, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम से कथित तौर पर जारी एक सोशल मीडिया पोस्ट में हत्या की जिम्मेदारी ली गई। 'रणदीप मलिक अनिल पंडित' नाम के एक अकाउंट से की गई इस पोस्ट में दावा किया कि हत्या लॉरेंस बिश्नोई, जितेंद्र गोगी मान, हाशिम बाबा और काला राणा सहित कई गिरोहों की ओर से की गई थी। पोस्ट में आरोप लगाया गया था कि गांधी गिरोह की गतिविधियों में हस्तक्षेप कर रहे थे और उनके संचालन में बाधा डालने वाले किसी भी व्यक्ति को इसी तरह के परिणामों की चेतावनी दी गई थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि मोटरसाइकिल पर आए हमलावरों ने गांधी का करीब 40-50 मीटर तक पीछा किया और कई गोलियां चलाईं।

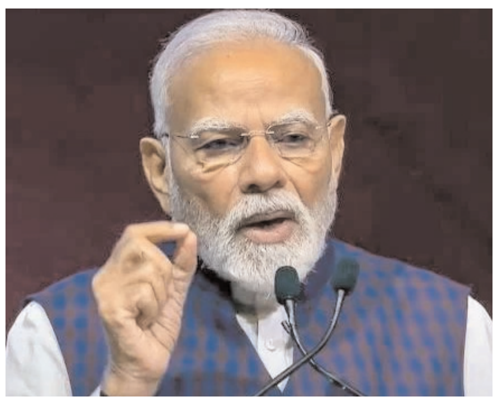

सीतारमण का लगातार नौ बजट पेश करना पूरे देश की महिलाओं को प्रेरित करने वाला : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौ बजट पेश करना राष्ट्रीय गर्व की बात है और इस उपलब्धि से देश भर की कई महिलाएं प्रेरित महसूस कर रही हैं। सीतारमण एक फरवरी को लगातार नौ बजट पेश करने वाली एकमात्र वित्त मंत्री बन गईं। वह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा पेश किए गए 10 बजट के रिकॉर्ड से सिर्फ एक कदम दूर हैं। देसाई ने 1959 से 1964 तक वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान छह बजट और 1967 से 1969 के बीच चार बजट पेश किए थे। प्रधानमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ''वास्तव में यह राष्ट्रीय गौरव की बात है कि हमारी वित्त मंत्री निर्मला जी ने लगातार नौ बार बजट पेश किया है, जो एक रिकॉर्ड और गर्व की बात है।''

उन्होंने कहा, ''देश भर में कई महिलाएं इससे प्रेरित महसूस करती हैं।'' पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और प्रणब मुखर्जी ने क्रमशः नौ और आठ बजट पेश किए थे, लेकिन अलग-अलग प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में।

इमारत के तहखाने में आग लगने से पांच लोग घायल, 40 दोपहिया वाहन नष्ट

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में रविवार तड़के एक इमारत के तहखाने में आग लगने से पांच लोग घायल हो गए और 40 दोपहिया वाहन जलकर नष्ट हो गए। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि डोंबिवली कस्बे के सागांव इलाके में स्थित एक आवासीय भवन के तहखाने में स्थित पार्किंग में आग सुबह करीब चार बजे लगी। कल्याण डोंबिवली नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी नामदेव चौधरी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि एक महिला झुलस गई, जबकि एक व्यक्ति इमारत की पहली मंजिल स्थित एक फ्लैट से कूदने के बाद घायल हो गया और तीन अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। उन्होंने बताया कि घायल हुए सभी व्यक्ति पहली मंजिल पर रहते थे और उनका उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि तहखाने में कम से कम 40 दोपहिया वाहन आग में नष्ट हो गए। उन्होंने बताया कि दो दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर एक घंटे के भीतर काबू पाया। उन्होंने कहा कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के अप्रैल में लागू होने की संभावना : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई, 2025 में हस्ताक्षरित भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के अप्रैल, 2026 में लागू होने की संभावना है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। भारत और ब्रिटेन ने 24 जुलाई, 2025 को वृहद आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत उत्पाद ब्रिटेन में बिना किसी शुल्क के भेजे जा सकेंगे, जबकि भारत में ब्रिटेन से आने वाली कारों और व्हिस्की पर कम शुल्क लगेगा। अधिकारी ने बताया, ''हमें इस समझौते के अप्रैल में लागू होने की उम्मीद है।'' दोनों देशों ने दोहरा अंशदान संधि (डीसीसी) पर भी हस्ताक्षर किए हैं, ताकि अस्थायी कर्मचारी किसी भी देश में दो बार सामाजिक कर न दें। अधिकारी ने बताया कि दोनों समझौते एक साथ लागू किए जा सकते हैं।

राहुल गांधी अमेरिका-यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौतों को लेकर झूठ फैला रहे हैं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापार समझौतों को लेकर किसानों को गुमराह करने और झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार ने देश के कृषि और दुग्ध उत्पादन क्षेत्रों की पूरी तरह से सुरक्षा की है।

शाह ने व्यापार समझौतों से भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचने के विपक्षी दल के आरोपों को ''हास्यास्पद'' बताया। उन्होंने कहा, ''जब कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी संसद में खड़े होकर किसानों की सुरक्षा की बात करते हैं तो मुझे हंसी आती है। कांग्रेस का देश को गुमराह करने का एक लंबा इतिहास रहा है और अब वे व्यापार समझौतों को लेकर झूठ फैला रहे हैं।''

शाह भारत की पहली केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरुआत करने के बाद गांधीनगर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार ने हर समझौते में किसानों के हितों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, ''राहुल गांधी झूठ फैला रहे हैं कि यूरोपीय संघ, इंग्लैंड और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते हमारे किसानों को नुकसान पहुंचाएंगे और हमारे डेयरी उद्योग को खत्म कर देंगे। मैं इस देश के किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक समझौते में उनके हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।''

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में भारतीय कृषि के लिए हानिकारक समझौते किए गए थे और प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में पदभार संभालते ही ऐसे प्रावधानों को रद्द कर दिया।

कांग्रेस की इस आलोचना का उल्लेख करते हुए कि ये समझौते भारत के डेयरी क्षेत्र को नष्ट कर देंगे, शाह ने कहा कि राहुल गांधी झूठ फैला रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन समझौतों पर हस्ताक्षर करके भारत के डेयरी क्षेत्र को खत्म कर दिया है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, ''हमने डेयरी क्षेत्र का विस्तार किया है, इसे कमजोर नहीं किया। सभी समझौतों में डेयरी (क्षेत्र) को पूर्ण संरक्षण दिया गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गांधी को इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी जी, कोई भी मंच चुन लीजिए। यहां तक कि भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी आकर आपसे इस बात पर बहस कर सकते हैं कि किसने किसानों को नुकसान पहुंचाया है और किसने उनके कल्याण के लिए काम किया है।''

सरकार गैर निर्धारित विमानन परिचालकों और अनियंत्रित हवाई क्षेत्रों का 'गहन अध्ययन' कर रही है : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार गैर-निर्धारित ऑपरेटर और अनियंत्रित हवाई पट्टियों द्वारा किए जा रहे उड़ान संचालन का गहन अध्ययन कर रही है, ताकि यह देखा जा सके कि किन क्षेत्रों में कदम उठाने की आवश्यकता है।

गत 28 जनवरी को वीएसआर वेंचर्स के स्वामित्व वाले 'लियरजेट 45' विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद गैर-निर्धारित परिचालकों के उड़ान संचालन नियामक जांच के घेरे में आ गए हैं। इस दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस महीने की शुरुआत में ही एनएसओपी का एक विशेष सुरक्षा ऑडिट शुरू कर दिया है। नायडू ने बताया कि नागर विमानन मंत्रालय एनएसओपी के साथ-साथ अनियंत्रित हवाई पट्टियों का भी 'गहन अध्ययन' कर रहा है। उन्होंने कहा कि एनएसओपी और अनियंत्रित हवाई पट्टियों के संबंध में जहां भी सुधार की आवश्यकता होगी, उन पहलुओं की जांच की जाएगी। इस साल, 28 जनवरी को लियरजेट 45 विमान बारामती हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। एनएसओपी आमतौर पर वे संस्थाएं होती हैं, जिनकी उड़ानों की कोई निश्चित समय-सारणी नहीं होती और वे मुख्य रूप से विशेष उड़ानों का संचालन करती हैं।

'देश के मुसलमान 'संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण दौर' से गुजर रहे हैं'

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक ने रविवार को कहा कि देश में मुसलमान एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, जिससे समुदाय के कुछ वर्गों में चिंता व असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में एक धार्मिक सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मीरवाइज ने कहा कि मस्जिदों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, मुसलमानों की संपत्तियों को नष्ट किया जा रहा है और मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं।

सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद खरीदार उत्साहित, गिरावट को अवसर मान रहे : टाइटन एमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाइटन कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) अजय चावला ने कहा है कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भारतीय खरीदारों को प्रभावित नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ग्राहक अब कीमतों में गिरावट को अवसर मानकर बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, बिलकुल शेयर निवेशकों की तरह।

चावला ने कहा कि पहले कई ग्राहक महंगी कीमतों के कारण सोना खरीदने में देरी करते थे, लेकिन अब उन्होंने अपनी रणनीति बदल ली है और कीमत गिरने पर सोना खरीदना शुरू कर दिया है, बजाय इसके कि अनिश्चित समय तक इंतजार करें।

चावला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लोगों ने लंबे समय तक इंतजार करने में नुकसान उठाया है, इसलिए अब वे हर कीमत गिरावट का फायदा उठाकर सोने की खरीद कर रहे हैं, जैसे शेयर बाजार में करते हैं।

उन्होंने माना कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, लेकिन मांग मजबूत बनी हुई है।

चावला ने कहा, ग्राहक इसमें हिस्सा लेने की कोशिश करेंगे। जो लोग पिछड़ गए, वे अब खरीदने आएंगे। उन्होंने कहा कि इससे लोगों की सोने के प्रति मजबूत रुचि और विश्वास का पता चलता है।

टाइटन की आभूषण कारोबार इकाई इस रुझान से लाभान्वित हुई है। टाइटन की आभूषण इकाई में प्रमुख ब्रांड तानिष्क शामिल है।

सोने की कीमतों में फरवरी, 2026 की शुरुआत में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। 10 ग्राम के लिए कीमतें करीब 1.61 लाख रुपए तक बढ़ीं और फिर वैश्विक संकेतों और मुनाफा निकालने के कारण हाल ही में गिरावट आई।

चावला के अनुसार, कई लोग जिन्होंने साल के पहले छह महीनों में सोने की खरीद में देरी की थी, उन्होंने त्योहारी और शादी के सीजन से पहले सोना खरीदना शुरू कर दिया क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि कीमतें अब और नहीं गिरेंगी।

एआई का जन-केंद्रित, समावेशी होना जरूरी : आईटी सचिव कृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एआई इम्पैक्ट समिट से पहले सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस कृष्णन ने कहा है कि भारत दुनिया को जो खास संदेश देना चाहता है, वह यह है कि कृत्रिम मेधा (एआई) को जन-केंद्रित और समावेशी रहना चाहिए और इसमें एआई संसाधनों तक लोकतांत्रिक तरीके से पहुंच हो।

कृष्णन ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, ''एआई को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक ताकत होना चाहिए, जिसमें भारत और वैश्विक दक्षिण सहित दुनिया के सभी हिस्सों में वृद्धि को बढ़ावा देने की क्षमता हो।

कृष्णन ने कहा, ''हम जो खास संदेश देना चाहते हैं, वह यह है कि एआई के साथ जो कुछ भी हो, वह जन-केंद्रित और समावेशी होना चाहिए। एआई संसाधन तक लोकतांत्रिक पहुंच होनी चाहिए, और इसे इस तरह से किया जाना चाहिए कि लोग और इंसान इस प्रक्रिया के केंद्र में हों।'' जैसे-जैसे देश अलग-अलग क्षेत्र में एआई को गहराई से अपनाने की तैयारी कर रहे हैं, भारत उभरती प्रौद्योगिकी की दुनिया में बराबर वृद्धि के लिए खुद को एक आवाज़ के तौर पर पेश कर रहा है। कृष्णन के अनुसार, बड़ा लक्ष्य यह पक्का करना है कि एआई सच में एक समावेशी प्रौद्योगिकी बने, जिसमें खुशहाली का फायदा सभी तक पहुंचे। भारत, इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 की मेजबानी करने के लिए पूरी

तरह तैयार है। यह देश को एआई के कामकाज के तरीके, सुरक्षा और आर्थिक वृद्धि पर जरूरी वैश्विक वार्ता के केंद्र में रखेगा। यह शिखर सम्मेलन नीति-निर्माताओं, उद्योग के दिग्गजों और प्रौद्योगिकी नवोन्मेषकों को ऐसे समय में एक साथ लाएगा जब देश एआई एजेंडा तय करने की होड़ में लगे हैं। कृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि एआई को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक 'सकारात्मक प्रभाव' के तौर पर इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जो दुनिया को तेजी से वृद्धि की राह पर ले जा सके। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का मकसद आने वाले वर्षों में वैश्विक प्रक्रियाओं को आकार देने वाली प्रौद्योगिकी को कैसे अपनाया जाए, इस पर देशों के बीच सोच को बढ़ावा देना है। कृष्णन ने कहा, ''हमें इसे पूरी अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत बड़े सकारात्मक प्रभाव के तौर पर देखना होगा। उन्होंने कहा कि इस बड़ी बैठक में निवेश की घोषणाएं और भागीदारी हो सकती हैं, लेकिन यह शिखर सम्मेलन एआई की वैश्विक समझ को गहरा करने, इंसानियत पर इसके असर का आकलन करने और सभी के लिए इसके सकारात्मक और फायदेमंद असर को ज़्यादा से ज़्यादा करने के लिए जरूरी कदमों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच है।

एआई का इस्तेमाल बढ़ने के साथ घट रही हैं प्रवेश स्तर की नौकरियां : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। कंपनियों के बीच कृत्रिम मेधा की स्वीकार्यता बढ़ने से विशेष रूप से प्रवेश स्तर की भर्तियां प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। ओपनआई के समर्थन से इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनमिक रिलेशंस (इक्रियर) के एक अध्ययन के मुताबिक, एआई को अपनाने से पूरे क्षेत्र में नियुक्तियों को लेकर प्राथमिकताएं बदल रही हैं। अध्ययन के अनुसार, 63% कंपनियों में डोमेन विशेषज्ञता और एआई या डेटा कौशल वाले कर्मचारियों की मांग बढ़ी है, क्योंकि एआई उनके मुख्य कामकाज के साथ एकीकृत हो गया है। 'एआई एंड जॉब्स: दिस टाइम इज नो डिफरेंट' शीर्षक वाली रिपोर्ट भारत में अब तक के जेन एआई स्वीकार्यता के कंपनी स्तर का आकलन है। यह अध्ययन नवंबर, 2025 और जनवरी, 2026 के बीच किया गया। इसमें भारत के 10 शहरों की 650 सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की प्रतिक्रिया शामिल है। इसमें बताया गया, ''कंपनियों ने कहा है कि एआई की वजह से नियुक्तियों में मामूली कमी आई है। मुख्य रूप से प्रवेश स्तर पर ऐसा देखने को मिल रहा है। साथ ही मध्यम और शीर्ष स्तर पर भर्तियों में स्थिरता भी है।'' रिपोर्ट कहती है कि सॉफ्टवेयर डेवलपर और डेटाबेस प्रशासक जैसे एआई की जरूरत वाले क्षेत्रों में मांग सबसे ज्यादा बढ़ी है।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच जारी, विदेशी खबरें भ्रामक : मुरलीधर मोहोल

सांगली (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पिछले साल अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच से जुड़ी विदेशी मीडिया की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि जांच अभी जारी है। दरअसल इटली के एक समाचार पत्र ने अपनी खबर में दावा किया था कि हादसे की जांच कर रही एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में पायलटों को दोषी ठहराया है।

मोहोल ने शनिवार को सांगली में कहा, ''मैं आप सभी को बताना करना चाहता हूं कि हमारी जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। हमें अपनी एजेंसियों पर भरोसा करना चाहिए या बाहरी लोगों पर? हमारी एजेंसियां इस पर काम कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''अंतिम रिपोर्ट तैयार होने के बाद ही उस पर टिप्पणी करना उचित होगा।'' एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 241 यात्रियों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने बृहस्पतिवार को कहा था कि जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है । उसने यह भी कहा कि जांच पूरी होने संबंधी मीडिया की खबरें 'गलत और अटकलों पर आधारित' हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में 'म्यूल खाता' नेटवर्क का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली/श्रीनगर/भाषा। सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में 'म्यूल खातों' के लगातार बढ़ते नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, और अधिकारियों को आशंका है कि इन खातों के माध्यम से भेजे गए धन का उपयोग अलगाववादी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

अधिकारियों ने बताया कि तीन वर्षों की अवधि में इस क्षेत्र में संचालित 8,000 से अधिक 'म्यूल खातों' की पहचान की गई है और इनसे लेन-देन रोक दिया गया है, जिससे धन शोधन के एक जटिल नेटवर्क का खुलासा हुआ है। उन्होंने इन खातों को साइबर अपराध शृंखला में ''सबसे कमजोर, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कड़ी'' बताया, क्योंकि इन खातों के बिना हेरफेर किए गए पैसे का क्रिप्टोकरेंसी में बदलना और इसका पता लगाना असंभव होगा। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों को बैंकों के साथ परामर्श करने के लिए कहा है, ताकि 'म्यूल खातों' की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाया जा सके और ऐसी वित्तीय धोखाधड़ी को सुविधाजनक बनाने वाले बिचौलियों की पहचान की जा सके। अधिकारियों को संदेह है कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा 2017 में जम्मू-कश्मीर में अवैध धन के प्रवाह पर की गई कार्रवाई के बाद, राष्ट्रविरोधी तत्व 'डिजिटल हवाला' के एक नए मॉडल की ओर रुख कर सकते हैं, जिसमें बिचौलियों द्वारा प्राप्त राशि का उपयोग देश के खिलाफ गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। आमतौर पर, 'म्यूल खाते' उपलब्ध कराने वाला बिचौलिया व्यक्ति न तो पीड़ितों से संपर्क करता है और न ही फर्जी लिंक भेजता है।

इसके बजाय, उनकी भूमिका गुप्त लेकिन महत्वपूर्ण होती है, वे ऐसे खातों की निरंतर आपूर्ति की व्यवस्था और रखरखाव करते हैं, जिनका उपयोग साइबर अपराधी अपनी पहचान उजागर किए बिना ठगी गए पैसे को प्राप्त करने और स्थानांतरित करने के लिए करते हैं। ये 'म्यूल खाते' अक्सर आम लोगों के होते हैं, जिन्हें ''कमीशन'' और न्यूनतम जोखिम के आश्वासन का लालच दिया जाता है। उन्हें यह कहकर अपने बैंक खातों का पूरा नियंत्रण, जिसमें नेट बैंकिंग विवरण भी शामिल हैं, सौंपने के लिए राजी किया जाता है कि इन खातों का उपयोग थोड़े समय के लिए किया जाएगा। अक्सर एक ही साइबर अपराधी को एक समय में 10 से 30 म्यूल खाते उपलब्ध कराए जाते हैं। इतना ही नहीं कई मामलों में, बैंक खाते फर्जी कंपनियों के नाम पर खोले जाते हैं, ताकि एक ही दिन में 40 लाख रुपए जैसी बड़ी रकम का लेन-देन बिना किसी संदेह के करना संभव हो जाता है।

लद्दाख प्रशासन छात्रों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है: उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने छात्रों के कल्याण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए रविवार को जोर दिया कि केंद्र शासित प्रदेश के भविष्य को आकार देने में शिक्षित युवाओं की भूमिका अहम है।

यहां 'ऑल लद्दाख स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन' के जम्मू चैप्टर के 27वें वार्षिक दिवस समारोह में उपराज्यपाल ने छात्रों से एकता की भावना और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के मूल्यों को बनाए रखते हुए अपनी भाषा, संस्कृति तथा जड़ों से जुड़े रहने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने कहा, ''लद्दाख प्रशासन छात्रों की चिंताओं को सुनने और उन्हें प्राथमिकता के साथ हल करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।'' उन्होंने दोहराया कि छात्र कल्याण सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। जम्मू में लेह और कारगिल जिलों के युवाओं की सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि 'लद्दाख स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन' महज एक संगठन नहीं है, बल्कि लद्दाख के युवाओं के दृढ़ संकल्प, अनुशासन और सपनों का प्रतिबिंब है। गुप्ता ने छात्रों से परंपरागत करियर विकल्पों से आगे सोचने का आह्वान करते हुए उन्हें स्टार्टअप, स्वरोजगार और

कौशल-आधारित क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, ''आज के युवाओं को केवल नौकरी चाहने वाला नहीं, बल्कि नौकरी का सृजनकर्ता बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि आज का भारत अपार अवसर प्रदान करता है और प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में नवाचार विकास के रास्तों को समाप्त करने के बजाय उनका विस्तार ही कर रहा है। गुप्ता ने युवाओं से निरंतर सीखने, नवाचार करने का आग्रह किया। 'विकसित भारत' की परिकल्पना का जिक्र करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि भारत के युवा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं।

एसआईआर के जरिये लोगों से नागरिकता छीनने की कोशिश कर रही है भाजपा : असदुद्दीन ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मतदाता सूचियों के एसआईआर के माध्यम से लोगों की नागरिकता अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही है।

ओवैसी ने एआईएमआईएम के 68वें पुनरुत्थान दिवस समारोह के हिस्से के रूप में शनिवार को आयोजित सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि बिहार के बाद तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया

जाएगा। हैदराबाद के सांसद ने आरोप लगाया, '' मैं जनता से अपील करता हूं कि जब एसआईआर कराया जाए, तो यह सुनिश्चित करें कि सभी वास्तविक नाम शामिल किए जाएं। भाजपा एसआईआर के जरिये लोगों की नागरिकता छीनना चाहती है। वह भारत निर्वाचन आयोग के माध्यम से संशोधन कराकर ऐसा करने की कोशिश कर रही है। '' तेलंगाना के चुनाव अधिकारियों ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूचियों की एसआईआर प्रक्रिया की घोषणा इस वर्ष अप्रैल-मई के दौरान होने की संभावना है। ओवैसी ने तेलंगाना में हाल ही में आयोजित मेडाराम जतारा आदिवासी उत्सव के दौरान कुछ यूट्यूबर्स द्वारा एक मुस्लिम पाव रोटी विक्रेता के कथित उत्पीड़न की भी निंदा की।

तमिलनाडु भर में महाशिवरात्रि पारंपरिक रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में लाखों श्रद्धालुओं ने रविवार को पारंपरिक उत्साह और शैव मंदिरों में रात भर जागरण के साथ महाशिवरात्रि मनाई। चेन्नई, तंजावुर और कोयंबटूर में भारी भीड़ देखी गई।

माइलापुर के ऐतिहासिक कपलेश्वर मंदिर में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और छात्रों सहित विभिन्न पृष्ठभूमि के तीर्थयात्रियों ने पूजा-अर्चना करने के लिए घंटों तक कतार में खड़े होकर अपनी बारी आने का इंतजार करते दिखे। एक विदेशी महिला पर्यटक ने जीवंत वातावरण पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए मंदिर को भव्य बताया और इस अवसर को भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं को देखने का एक सुनहरा मौका बताया। उन्होंने बताया, ''हम अभी-अभी आपके भव्य मंदिर पहुंचे हैं और अंदर जाकर यह सब देखने के लिए इतने बेताब हैं कि इंतजार नहीं हो रहा।'' उन्होंने कहा कि दिन 'शानदार' और 'बहुत रंगीन' रहा। कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में भी आध्यात्मिक वातावरण उतना ही जीवंत था, जहां आयोजित वार्षिक समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सद्गुरु के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में योगेश्वर लिंग महा अभिषेकम और रात भर चलने वाली संगीतमय प्रस्तुतियां शामिल थीं। तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर में भी इसी तरह का उत्साह देखने को मिला, जहां दिनभर श्रद्धालु देवता के दर्शन के लिए उमड़ते रहे।

'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' की नियुक्ति में तमिलनाडु पहले और महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर : यूजीसी डेटा

चेन्नई/नईदिल्ली। तमिलनाडु कक्षाओं में वास्तविक दुनिया के अनुभव प्रदान करने के लिए अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्योग विशेषज्ञों को 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' के रूप में नियुक्त करने के मामले में सबसे आगे है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के आंकड़ों से यह बात सामने आई है। आंकड़ों के मुताबिक, 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' की नियुक्ति के मामले में महाराष्ट्र दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर है।

यूजीसी ने छात्रों को कक्षा में व्यावसायिक दक्षता प्रदान करने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' (पीओपी) की नियुक्ति के लिए 2022 में दिशा-निर्देश जारी किए थे, ताकि शिक्षा और उद्योग जगत के बीच की खाई को पाटा जा सके। पीओपी की नियुक्ति अस्थायी तौर पर की जाती है और इससे स्वीकृत पदों की संख्या पर कोई असर नहीं पड़ता है। पात्रता के लिए संबंधित क्षेत्र में 15 वर्षों का अनुभव जरूरी है, खास तौर पर वरिष्ठ पदों पर। यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार, 349 उच्च शिक्षण संस्थानों की ओर से अब तक 1,841 पीओपी नियुक्त किए जा चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 395 पीओपी की नियुक्ति की गई है, जिसके बाद महाराष्ट्र (193), गुजरात (179) और कर्नाटक (170) का स्थान आता है। आंकड़ों पर गौर करें तो अकादमिक कार्यबल में उद्योग जगत के पेशेवरों की नियुक्ति के मामले में निजी विवि (715) सबसे आगे हैं, जबकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने अब तक केवल 15 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' नियुक्त किए हैं। वहीं, डीम्ड विश्वविद्यालयों में ऐसी नियुक्तियों की संख्या 699, राज्य विश्वविद्यालयों में 212 और कॉलेजों में 200 दर्ज की गई है।

शबरिमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश संबंधी मुद्दे पर सियासी बयानबाजी तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। शबरिमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा एक संक्षिप्त विराम के बाद रविवार को फिर उठा, जिससे केरल में राजनीतिक बहस छिड़ गई। विपक्ष ने एलडीएफ सरकार से मांग की कि वह मंदिर में युवा महिलाओं के प्रवेश पर अपना रुख स्पष्ट करे। इस मुद्दे को लेकर सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं के बीच नए सिरे से आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। बताया जा रहा है कि उच्चतम न्यायालय सभी आयु वर्ग की महिलाओं को भगवान अयप्पा मंदिर में प्रवेश की अनुमति देने संबंधी 2018 के अपने फैसले से जुड़ीं पुनर्विचार और रिट याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करने वाला है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से शीर्ष अदालत में सरकार का रुख स्पष्ट करने की मांग की, जबकि माकपा ने कहा कि वह यह खुलासा नहीं कर सकती कि सरकार अदालत में क्या दलीलें पेश करेगी।

कोच्चि में पत्रकारों से बातचीत में राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने सवाल किया कि केरल सरकार शबरिमला में महिलाओं प्रवेश के मामले में उच्चतम न्यायालय में पहले दाखिल अपने हलफनामे पर कायम रहेगी या उसे वापस लेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वाम सरकार इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपना रही है। सतीशन ने कहा, यदि सरकार महिलाओं के प्रवेश का समर्थन जारी रखती है, तो उसे अपने हलफनामे पर कायम रहना चाहिए। यदि नहीं, तो उसे हलफनामा वापस लेना चाहिए। स्पष्ट रुख होना चाहिए। राज्य सरकार का वास्तविक रुख अदालत में उसके रुख से स्पष्ट होगा। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अदालत से और समय मांगती है, तो इसका मतलब होगा कि उसका रुख अभी भी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने भी कहा कि राज्य सरकार को शबरिमला मामले में अपना हलफनामा संशोधित करना चाहिए और पार्टी में इस पर पुनर्विचार करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पूरा केरल राज्य ऐसा चाहता है। वेणुगोपाल ने सवाल किया कि सरकार पीछे कैसे हट सकती है। विपक्ष की ओर से हो रही आलोचना का जवाब देते हुए माकपा के राज्य सचिव एम. वी. गोविंदन ने कहा कि सरकार अदालत के सामने अपना रुख रखेगी और चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की गरिमा और श्रद्धालुओं के हितों की रक्षा होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि सरकार अदालत में क्या कहेगी। उन्होंने पलक्कड़ में पत्रकारों से कहा, जब आवश्यक होगा, पार्टी अपना रुख बताएगी। कल सरकार को अपनी दलीलें रखनी हैं और वह रखेगी। जब गोविंदन से पूछा गया कि क्या माकपा शबरिमला में महिलाओं के प्रवेश के मुद्दे पर अपना रुख बदलेगी, तो उन्होंने कहा कि कुछ भी अपरिवर्तनीय नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट जवाब देने से परहेज किया। 2018 में उच्चतम न्यायालय ने मासिक धर्म आयु वर्ग की महिलाओं के शबरिमला मंदिर में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को असंवैधानिक करार देते हुए हटा दिया था।

शशिकला ने शुरू किया बैठकों का दौर, जयललिता की जयंती पर कर सकती हैं बड़ी घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) की अंतरिम महासचिव और दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने राज्य भर में अपने सदस्यों के साथ गहन विचार-विमर्श शुरू किया है।

शशिकला के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह राजनीतिक माहौल और अपने गुट की संगठनात्मक ताकत का आकलन करने के लिए पूर्व विधायकों, जिला स्तरीय पदाधिकारियों और लंबे समय से समर्थकों के साथ बातचीत कर रही हैं। परामर्श प्रक्रिया 18 फरवरी तक जारी रहने वाली है और उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में अंतिम निर्णय 24 फरवरी को जयललिता की जयंती से पहले आने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार यह तारीख एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं के लिए भावनात्मक और प्रतीकात्मक महत्व रखती है। हालांकि शशिकला के पास वर्तमान में एआईएडीएमके में कोई औपचारिक पद नहीं है, फिर भी वह इस बात पर जोर देती हैं कि वह इसकी सही महासचिव हैं। उनके समर्थकों का तर्क है कि अब समय आ गया है कि उनका समूह चुनावी राजनीति में फिर से सक्रिय हो जाए, न कि हाशिए पर रहे, जैसा कि 2021 के विधानसभा चुनावों में हुआ था।

उनके खेमे के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि इन मुलाकातों का उद्देश्य शशिकला को यह समझाना है कि उनके समूह को चुनावी मैदान में उतरना चाहिए और अपनी उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए। हालांकि, भ्रष्टाचार के एक मामले में 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद से शशिकला की अयोग्यता जारी रहने के कारण वह स्वयं 2026 के चुनावों में चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। उनकी अयोग्यता की अवधि अगले साल की शुरुआत में ही समाप्त होने वाली है। उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरन ने 2018 में अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कझगम (एएमएमके) की शुरुआत की थी और शुरुआत में उन्होंने शशिकला को महासचिव बनाया था, जब वह बेंगलूरु में अपनी सजा काट रही थीं। इसके बाद में उन्होंने यह पद संभाला और तब से स्वतंत्र राजनीतिक रुख अपनाए हुए हैं। इस बीच, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने शशिकला या पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम को पार्टी में शामिल करने की संभावना से इनकार कर दिया है।

कांग्रेस ने महिला सहायता योजना को लेकर द्रमुक पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रवीण चक्रवर्ती ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की प्रमुख महिला सहायता योजना पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि चुनाव जीतने के लिए केवल इसी योजना पर निर्भर नहीं रहा जा सकता।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में सत्ता में रहते हुए इसी तरह की पहल की घोषणा करने वाली नौ राजनीतिक पार्टियों में से पांच चुनाव हार गईं। इनमें तेलंगाना में कांग्रेस और युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) शामिल हैं।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घोषणा की है कि सरकार 'कलेग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना की महिला लाभार्थियों के खातों में 5,000 रुपये जमा करेगी। चक्रवर्ती प्रोफेशनल्स कांग्रेस एंड डेटा एनालिटिक्स के अध्यक्ष हैं और उनकी यह टिप्पणी मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा घोषणा किए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। चक्रवर्ती ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'मगलीर उरिमाई थोगई योजना एक बहुत अच्छी कल्याणकारी पहल है; इसका कार्यान्वयन सराहनीय है। लेकिन यह मानना अंधविश्वास है कि केवल इसी से चुनावी सफलता सुनिश्चित हो जाएगी।''

उन्होंने कहा, पिछले तीन वर्षों में, बड़े राज्यों की नौ सरकारों में से केवल चार ने ही ऐसी योजनाओं की घोषणा की और उन्हें जीत हासिल हुई।'' चक्रवर्ती ने उन राजनीतिक दलों के बारे में भी जानकारी साझा की जो चुनाव हार गए थे, जिनमें राजस्थान और छत्तीसगढ़ में क्रमशः कांग्रेस की 'महंगाई राहत' और 'गृह लक्ष्मी योजना' शामिल थीं। कांग्रेस पार्टी को 2023 के चुनावों में दोनों राज्यों में हार का सामना करना पड़ा था।

हम सिर्फ सम्मान चाहते हैं : कांग्रेस सांसद मणिकम

मदुरै। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में गठबंधन के भीतर द्रमुक से सम्मानजनक व्यवहार की अपेक्षा करती है। राज्य में सत्तारूढ़ दल के नेताओं की ओर से सत्ता-साझेदारी पर हालिया टिप्पणियों के बाद दोनों दलों के बीच तनातनी की स्थिति बनी हुई है। टैगोर ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता इंसान हैं, रोबोट नहीं'', और वे द्रमुक नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों का जवाब देंगे।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस पार्टी एक बड़े जहाज की तरह है...हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं और दिल्ली में 'इंडि' गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं। यहां, हम द्रमुक के साथ बने रहेंगे।'' टैगोर ने कहा कि कांग्रेस द्वारा सीट बंटवारे की बातचीत के लिए एक समिति गठित किए जाने के बाद 70 दिनों से अधिक का समय बीत चुका है और उन्हें मीडिया के माध्यम से पता चला है कि सत्तारूढ़ द्रमुक ने घोषणा की है कि वह 22 फरवरी से बातचीत करने के लिए एक समिति का गठन करेगी। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि हमारे साथ अच्छा व्यवहार किया जाएगा। राहुल गांधी द्रमुक प्रमुख एम.के. स्टालिन को अपने भाई की तरह मानते हैं। दोनों के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं।''

द्रमुक के खिलाफ अब तक कोई मजबूत गठबंधन नहीं बना : वीसीके प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिदंबरम (तमिलनाडु)। विदुथलाई चिरूथाईगल काची (वीसीके) के संस्थापक और लोकसभा सदस्य थोल तिरूमावलवन ने रविवार को दावा किया कि आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) का विरोध करने के लिए अबत तक कोई मजबूत गठबंधन सामने नहीं आया है। तमिलनाडु के चिदंबरम सीट से लोकसभा सदस्य के नेतृत्व वाली वीसीके राज्य में द्रमुक के नेतृत्व वाले एसपीए का एक प्रमुख घटक है।

उन्होंने कहा, ''ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाला गठबंधन (राजग) विभिन्न दलों में बिखर हुआ है और एकजुट होने के लिए संघर्ष कर रहा है। इसने अब तक औपचारिक गठबंधन का रूप नहीं लिया है।''

तिरूमावलवन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ऐसे में, सच्चाई यह है कि द्रमुक के नेतृत्व वाले एसपीए का विरोध करने के लिए अब तक कोई मजबूत गठबंधन नहीं बन पाया है।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में दक्षिणपंथी राजनीति को जड़ जमाने से रोकने के लिए द्रमुक गठबंधन से मजबूती से जुड़ी रहेगी। तिरूमावलवन ने कहा कि सीट बंटवारे पर बातचीत 22 फरवरी से शुरू होने की उम्मीद है।

वीसीके प्रमुख ने यह भी घोषणा की कि 100 से अधिक सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे महासचिव को सौंप दिया गया है। उन्होंने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने से रोकने के लिए अलोकतांत्रिक कदम उठाने का आरोप लगाया।

तिरूमावलवन ने विश्वास व्यक्त किया कि नौ मार्च को संसद के पुनः सत्र शुरू होने पर प्रस्ताव के संबंध में औपचारिक घोषणा की जाएगी।

महाशिवरात्रि पर बेंगलूरु समेत प्रदेश के शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु सहित पूरे कर्नाटक प्रदेश के अन्य शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर जलाभिषेक किया और मंगल कामना की।

बलेपेट स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर की मंगला आरती के बाद श्रद्धालु कतारों में लगकर दर्शन-पूजन कर रहे हैं। मंदिर में सुगम दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई। प्रसाद का वितरण हुआ। मल्लेश्वरम के काडुमलेश्वरम स्वामी मंदिर, एचएएल रोड स्थित विशाल शंकर मूर्ति मंदिर, गविगंधेश्वर मंदिर, चन्द्रमौलीश्वरम मंदिर सहित अनेक मंदिरों में भी सुबह से ही भक्तों की भीड़ रही। कई जगह भक्तों ने भगवान शंकर की मूर्ति पर जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक आदि कर उन्हें प्रसन्न किया। जगह जगह पर रात्रि जागरण के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई : हरमीत और यशस्विनी मिश्रित युगल में उप विजेता रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े को रविवार को यहां डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई टेबल टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल फाइनल में एडवर्ड इओनेस्कु और बर्नाडिट जोक्स की रोमानिया की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ शिकस्त के साथ उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

हरमीत और यशस्विनी की जोड़ी को 0-3 (9-11, 2-11, 8-11) से शिकस्त का सामना करना पड़ा। यह इस डब्ल्यूटीटी प्रतियोगिता के चार सत्र में किसी भारतीय जोड़ी का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इस बीच चेक गणराज्य के लुबोमिर यानकारिक ने प्रतियोगिता में अपना स्वप्निल प्रदर्शन जारी रखते हुए कोरिया के पार्क गंगहियोन को 3-2 (13-15, 11-%, 5-11, 11-%, 11-9) से हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत फ्रांस के पांचवें वरीय थिबॉल्ट पोरेट से होगी। फ्लेवियन कॉटन के साथ पुरुष युगल खिताब जीतने के बाद थिबॉल्ट की नजरें दोहरे खिताब पर टिकी हैं। महिलाओं का एकल फाइनल जापान की खिलाड़ियों शीर्ष वरीय सात्सुकी ओडो और 15वीं वरीय मिउ हिरानो के बीच होगा।

कोच्चि में आयोजित जी-टेक मैराथन में करीब 10,000 धावकों ने हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के कोच्चि स्थित इन्फोपार्क में रविवार को आयोजित जी-टेक मैराथन' के चौथे संस्करण में आईटी पेशेवरों, सरकारी कर्मचारियों और रक्षा कर्मियों सहित करीब 10,000 धावकों ने हिस्सा लिया। ग्रुप ऑफ टेक्नोलॉजी कंपनीज (जी-टेक) केरल में आईटी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला निकाय है। आयोजकों ने एक बयान में कहा कि यह राज्य में मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाला सबसे बड़ा दौड़ मैराथन है।

पुरुषों की हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर) में जयपुर के सोनू यादव ने खिताब जीता, जबकि महिलाओं की हाफ मैराथन में बिहार के नवादा की चंद्रावंती कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बयान में कहा गया है कि वायुसेना अधिकारी यादव ने एक घंटे, 18 मिनट और 44 सेकंड में दौड़ पूरी की।

सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके नेलमंगला के पास एक कार और केएसआरटीसी बस की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार आधी रात को हुई, जब बेंगलूरु की ओर जा रही कार कथित तौर पर डिवाइडर से टकराकर विपरीत लेन में चली गई और सामने से आ रही बस से जा टकराई। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। अधिकारियों को संदेह है कि कार तेज गति से जा रही होगी और चालक ने नियंत्रण खो दिया होगा, जिसके कारण दुर्घटना हुई। दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की उम्र 17 से 22 वर्ष है, ये डोड्डाबल्लापुरा के निवासी थे। हालांकि, बस में सवार सभी 43 यात्रियों को कोई खास चोट नहीं आई। दुर्घटना के बाद, बस यात्रियों को आगे की यात्रा के लिए दूसरी बस में स्थानांतरित किया गया।

मदनायकानहल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है। संयुक्त पुलिस आयुक्त कार्तिक रेड्डी ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी और यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या कार के चालक और उसमें सवार लोगों ने शराब का सेवन किया था। उन्होंने पत्रकारों को बताया हमने रक्त के नमूने एकत्र कर लिए हैं और उन्हें जांच के लिए एफएसएल भेज दिया है। उनकी पृष्ठभूमि की भी जांच की जा रही है।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038.

निविदा सूचना सं. 2026377212130

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि, वे **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्र. सं.	खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रु).	निविदा बंद होने की तारीख और समय
1.	2026377212130	फर्निशिंग विभाग में शॉप-30, 30ए, 54, डिस्पैच शेड और डीपीआरएस शेड में लाइफलाइन का व्यवस्था प्रस्ताव।	5.39 करोड़	13.03.2026 10.30 बजे

उपरोक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण **https://icf.indian railways. gov.in/** पर उपलब्ध हैं।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038.

निविदा सूचना सं. 2026235212075 दिनांक: 11.02.2026

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि, वे **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्र. सं.	खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रु).	निविदा बंद होने की आखिरी तारीख /टेंडर फॉर्म खुलने की तारीख
1.	2026235212075	आईसीएफ चेन्नई में एलएचबी नॉन-एसी / अमृत भारत कोच (एलएससीएन / एलएससीएन (एबी)/एलएस / एलडब्ल्यूएस (एबी) / एलएससीझड़) में वायरिंग का काम पूरा करना, जिसमें उपकरण की संचालन और स्थापना भी शामिल है।	7,50,84,581/-	02.03.2026 15:00 बजे

उपरोक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण **https://icf.indian railways. gov.in/** पर उपलब्ध हैं।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/फर-II

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सपत्नीक महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं प्रगति की कामना की। शर्मा ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कर आरती उतारी। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास पर नियोजित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस

समय पर पहचान से 80 प्रतिशत बच्चों की बचाई जा सकती है जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस के अवसर पर रविवार को चिकित्सकों के एक समूह ने इस बात पर जोर दिया कि समय पर निदान और उचित उपचार के माध्यम से कैंसर से प्रभावित 80 प्रतिशत से अधिक बच्चों की जान बचाई जा सकती है। भगवान महावीर कैंसर अस्पताल में बाल कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवानी माथुर ने कहा कि बच्चों में कैंसर के मामले वयस्कों के कैंसर से भिन्न होते हैं और अक्सर तेजी से बढ़ते हैं, जिसके लिए विशेष उपचार की जरूरत होती है। हालांकि, बच्चों में इससे उबरने की दर अधिक होती है।

उन्होंने बताया कि बच्चों में कैंसर के सबसे आम प्रकारों में ब्लड कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, किडनी कैंसर और हड्डियों का कैंसर शामिल हैं। भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय के रक्त कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेन्द्र शर्मा ने बताया कि 'नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम' के अनुसार, भारत में कैंसर के कुल मामलों में से लगभग चार प्रतिशत मामले 0–14 वर्ष की आयु के बच्चों में होते हैं और हर साल लगभग 50,000 नए मामले सामने आते हैं। इन मामलों में ब्लड कैंसर की हिस्सेदारी 25–30 प्रतिशत है।

उन्होंने उल्लेख किया कि बीमारी का शुरुआत में पता लगने से इससे उबरने की संभावना काफी बढ़ जाती है। चिकित्सकों के अनुसार, सामान्य चेतावनी संकेतों में लगातार बुखार, वजन में असामान्य कमी, लंबे समय तक थकान, हड्डियों या जोड़ों में दर्द, बार–बार संक्रमण और असामान्य सूजन शामिल हैं। उन्होंने माता–पिता को सलाह दी कि वे लंबे समय तक रहने वाले लक्षणों को नजरअंदाज न करें और तुरंत चिकित्सीय परामर्श लें।

डॉ. शर्मा ने रेखांकित किया कि अस्पताल बच्चों को मुफ्त इलाज प्रदान करने के लिए दो परियोजनाएं चला रहा है। जीवनदान परियोजना के तहत 2014 से अब तक 10.73 करोड़ रुपये की लागत से 286 बच्चों का इलाज किया गया है, जिनमें से 178 को बच्चों को कैंसर मुक्त घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि 'विल्म्स ट्यूमर वेलफेयर इनिशिएटिव' के तहत 2016 से 21 बच्चों का इलाज किया गया है और वे सभी स्वस्थ हो चुके हैं।

राज्यपाल ने महाशिवरात्रि पर सबके कल्याण की कामना की

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को महाशिवरात्रि पर प्रज्ञा प्रवाह एवं युवा साथी संगठन द्वारा आयोजित शिवोऽहम्' कार्यक्रम में भगवान शिव को स्मरण करते हुए सभी के मंगल की प्रार्थना की। राज्यपाल बागड़े ने इस दौरान भगवान शिव का अभिषेक करते हुए उनकी विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने बाद में कहा कि महाशिवरात्रि भगवान शिव का पावन पर्व है। शिव कल्याण और मंगल से जुड़े हैं। उनका स्मरण ही हमें सर्वकल्याण और शुभ के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने भगवान शिव से राष्ट्र की समृद्धि और संपन्नता के साथ सबकी खुशहाली की कामना की। राज्यपाल ने महाशिवरात्रि को भगवान शिव की साधना से जुड़ा पर्व बताते हुए कहा कि यह ध्यान, समर्पण और आंतरिक जागृति से जुड़ी हमारी संस्कृति का पावन उत्सव है।

राज्य बजट वर्ष 2026-27 से सवाई माधोपुर को मिलेगी विकास की नई गति : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन, मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सवाई माधोपुर जिले के जिला कलक्ट्रेट सभागार में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य बजट 2026–27 की प्रमुख विशेषताओं एवं सवाई माधोपुर जिले को मिली महत्वपूर्ण घोषणाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट 8 करोड़ प्रदेशवासियों के प्रति सरकार के कर्तव्यों का दस्तावेज है, जो महिला, युवा, किसान, मजदूर एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित है।

मंत्री ने बताया कि 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये के आकार वाला यह बजट वर्ष 2023–24 की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। यह आधारभूत विकास, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, ऊर्जा, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार, सुशासन एवं हरित विकास जैसे 10 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इसमें राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ प्रति व्यक्ति आय पहली बार 2 लाख रुपये से अधिक होने का अनुमान लगाया गया है।

डॉ. मीणा ने कहा कि प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए राज्य बजट में राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी का गठन करने, 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियां देने के लक्ष्य की दिशा में भर्ती प्रक्रियाओं को गति देने, इंफ्रास्ट्रक्चर पर अब तका सबसे अधिक 3427 करोड़ पूंजीगत खर्च कर 42 हजार किलोमीटर की सड़के, आरयूबी एवं आरओबी पर 920 करोड़ रूपए व्यय किए जाएंगे। ग्रीष्म ऋतु में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराये जाने की दृष्टि से आगामी वर्ष में 600 ट्यूबेल व 1200 हेडपम्प लगाये जाना प्रस्तावित है वहीं अमृत 2.0 के तहत 3 लाख नए पेयजन कनेक्शन जारी किए जाएंगे, शिक्षा के लिए 69 हजार करोड़ रुपये तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 32 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रावधान किए गए हैं। ग्रीन बजट, नमो नर्सरी, ऑक्सीजन जोन तथा रूरल महिला बीपीओ जैसे नवाचार भी इस बजट की प्रमुख विशेषताएं हैं।

डॉ. मीणा ने कहा कि जिले में आपदा प्रबंधन के तहत जड़ावता क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा दीवार, खेतों मे मिट्टी भराव सहित अन्य कार्यों पर लगभग 75 करोड़ रुपये व्यय किए जाने का प्रावधान राज्य बजट में किया गया है। साथ ही, युवाओं के लिए सवाई माधोपुर में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) की स्थापना तथा प्रत्येक जिले में उद्योगों से जुड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेंट एंड वोकेशनल ट्रेनिंग प्रारम्भ किया जाएगा जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेगें।

नागौर जिले में पुलिस ने 16 वाहन जब्त किए

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 10 करोड़ रुपये कीमत की मशीनें और वाहन जब्त किए हैं। इस संबंध में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने शनिवार को बताया कि पुलिस टीम ने जब प्रेमनगर और बैरावास की सीमा पर दबिश दी और मौके से पहाड़ों को काटने वाली चार विशालकाय पोकलेन मशीनें, तीन जेसीबी, चार डम्पर और तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इसके अलावा खनन माफिया द्वारा निगरानी में इस्तेमाल की जाने वाली एक एसयूवी व एक मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया। कुल मिलाकर 16 वाहन जब्त किए गए। एक बयान के अनुसार पुलिस ने अवैध खनन के आरोप में राधाकिशन, मदनलाल, जलीस, विष्णु, राजमल, नेमाराम, देवराजसिंह, शंकरसिंह और सुरेश कुमार चौधरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कैलादेवी थाना क्षेत्र के धौरेरा हार में छापेमारी कर 6067 किलो अवैध अफीम के हरे पौधे बरामद कर दो जनों को गिरफ्तार किया हैं।

हमारी प्राथमिकता राजस्व वृद्धि के साथ रोजगार का सृजन : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्यमंत्री ने राजस्थान में 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सेक्टर की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज देने की मंजूरी दी। बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों से प्रदेश में 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्यूफेक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस और मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, केमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन सेक्टर से संबंधित अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को रिप्स के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज की स्वीकृति प्रदान की।

शर्मा ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि रिप्स परिलाभ और कस्टमाइज्ड पैकेज प्राप्त करने वाली कंपनियों के निवेश की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व वृद्धि के साथ प्रदेश में रोजगार सृजन हमारी प्राथमिकता है।

शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू की जिलेवार प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'एक जिला–एक उत्पाद' (ओडीओपी) को और अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश की हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विक्रय हेतु विशेष स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नवीन पर्यटन स्थलों को भी बढ़ावा दिया जाए।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गलरिया, आयुक्त बीआईपी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी जुगल किशोर मीना सहित बीआईपी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उदयपुर के अमरख महादेव मंदिर पहुंचीं रेखा गुप्ता, दिल्लीवासियों के लिए मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर राजस्थान में उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन अमरख महादेव मंदिर में महादेव की पूजा–अर्चना की। उनके साथ उनके मंत्रिमंडल के सदस्य भी मौजूद रहे। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन अमरख महादेव मंदिर में देवाधिदेव महादेव की पूजा–अर्चना का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह धाम शताब्दियों से तप, वैराग्य और शिव चेतना का जीवंत केंद्र रहा है। महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व आत्मा के भीतर शिवत्व के जागरण का अवसर है। शिव ही शून्य हैं, शिव ही अनंत हैं और शिव ही वह आधार हैं जहां से सृजन, संतुलन और परिवर्तन का प्रवाह प्रारंभ होता है। उन्होंने आगे लिखा कि देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद दिल्ली और समस्त देशवासियों पर बना रहे, और हम सभी को सेवा और लोक कल्याण के मार्ग पर अडिग रहने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी आशीष सूद, रविन्द्र इन्द्राज, विधायक अनिल शर्मा और राजस्थान भाजपा के कई नेता मौजूद रहे।

इसके बाद, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नाथद्वारा धाम में श्रीनाथजी के दर्शन किए। यह वही पावन भूमि है, जहां भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धनधारी स्वरूप ने धर्म, करुणा और संरक्षण का सनातन संदेश दिया। शताब्दियों से यह धाम भक्ति और समर्पण की अखंड ज्योति का केंद्र रहा है।उन्होंने लिखा, 'महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर भगवान शिव का स्मरण इस अनुभूति को और दिव्य बना देता है। श्रीकृष्ण का करुणा स्वरूप और महादेव का तप स्वरूप, दोनों मिलकर सनातन की पूर्णता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।' सीएम रेखा गुप्ता ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, 'समस्त दिल्लीवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की अनंत शुभकामनाएं। देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती के मंगल विवाह का यह उत्सव हमारे भीतर छिपे शिवत्व को जागृत करने का महापर्व है। आदिदेव ही चराचर जगत के सृजन, शक्ति और परम चेतना का आधार हैं। भोलेनाथ से प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख–शांति और दिल्ली की सतत प्रगति एवं समृद्धि बनाए रखे।'

वहीं दिल्ली सरकार ने एक क्रांतिकारी पहल के अंतर्गत राजधानी की हर जमीन का 'आधार कार्ड' बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए हर जमीन को 14 अंकों की 'विशिष्ट भूखंड पहचान संख्या' प्रदान की जाएगी। यह कदम दिल्ली के भू अभिलेखों को आधुनिक बनाने और आम जनता को जमीनी विवादों से मुक्ति दिलाने के संकल्प का हिस्सा है।

राजस्थान की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 10 प्रतिशत पार ले जाने का लक्ष्य : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नाथद्वारा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजस्थान की स्टेट जीडीपी में पर्यटन के योगदान को 10 प्रतिशत से अधिक तक ले जाना है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ–साथ स्पिरिचुअल (आध्यात्मिक) और एक्सपीरियंशियल (अनुभवात्मक) टूरिज्म पर विशेष ध्यान दे रही है। रविवार को श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि भारत सरकार राजस्थान के प्रमुख आस्था केंद्रों को वैश्विक स्तर पर विकसित कर रही है। 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत खाटू श्याम जी, देशनोक की करणी माता, जैसलमेर के तनोट माता मंदिर जैसे पवित्र स्थानों पर बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को न केवल सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है, बल्कि इन क्षेत्रों में 'टेंपल टूरिज्म' के माध्यम से स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित करना है।

कुम्भलगढ़ में आयोजित समीक्षा बैठक का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चित्तौड़गढ़ और कुम्भलगढ़ जैसे 'वर्ल्ड हेरिटेज मोन्यूमेंटस' को पर्यटकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाया जा रहा है। हम चाहते हैं कि इन ऐतिहासिक किलों में पर्यटक केवल घूमने न आएं, बल्कि वहां एक नया अनुभव प्राप्त करें। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जिला प्रशासन और राज्य पर्यटन विभाग के अधिकारी मिलकर एक साथ काम कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पर्यटन की सफलता केवल संख्या में नहीं, बल्कि पर्यटकों की संतुष्टि में है। हमारा प्रयास पर्यटकों के अनुभव के स्तर को इतना ऊंचा उठाना है कि यहां आने वाला हर व्यक्ति ऐसी सुखद स्मृति लेकर जाए जो उसे पुनः राजस्थान लौटने के लिए प्रेरित करे। राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के बजट में पर्यटन के लिए की गई घोषणाओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन की महत्ता को समझते हुए निरंतर काम कर रही है। केंद्र और राज्य के साझा प्रयासों से राजस्थान जल्द ही वैश्विक पर्यटन के मानचित्र पर एक नए स्वरूप में उभरेगा।

महाशिवरात्रि पर राज्यभर के शिव मंदिरों में गूंजे जयकारे

जयपुर। राजस्थानभर के शिव मंदिरों में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया और मंदिरों में 'ओम नमः शिवाय' और 'हर–हर महादेव' के जयकारे गूंजे। इस अवसर पर शिव मंदिरों में विशेष पूजा की गई। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, सीकर सहित सभी जिलों के शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। राज्य की राजधानी के जयपुर के प्रमुख मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया और भगवान शिव का सुंदर श्रृंगार किया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाशिवरात्रि के पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

महाकाल उज्जैन की तर्ज पर थांवला में मना महाशिवरात्रि महोत्सव, शिव बारात में शामिल हुए भूत-प्रेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक माना जाता है। इस पावन दिन पर शिव भक्त व्रत रखते हैं, और विधि–विधान से भोलेनाथ की आराधना करते हैं। मान्यता है कि महाशिवरात्रि की रात भगवान शिव अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं और सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है। इसी कड़ी में राजस्थान के अजमेर जिले में महाशिवरात्रि का पर्व पूरे धूमधाम के साथ मनाया गया। थांवला का महाशिवरात्रि महोत्सव आस्था, संस्कृति और उत्सव का शानदार उदाहरण बना। इसमें लोग भगवान शिव की भक्ति के साथ–साथ लोक परंपराओं की रंगत में भी डूबे नजर आए। तीर्थराज पुष्कर के समीपवर्ती ग्राम थांवला में थानेश्वर महादेव सेवा समिति की ओर से महाशिवरात्रि महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन को उज्जैन के महाकाल मंदिर की परंपराओं की तर्ज पर किया गया। महोत्सव के दौरान मेहंदी, हल्दी, शिव बारात, महाआरती, शृंगार दर्शन और भजन संध्या जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस आयोजन का सबसे आकर्षक दृश्य भूत–प्रेतों की अनोखी शिव बारात रही, जिसने श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।इस मौके पर थानेश्वर महादेव सेवा समिति के सदस्य पंडित मांगीलाल शर्मा ने बताया कि शिव बारात में पुणे से आए ढोल–ताशे वालों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। करीब 101 ढोलों की गूंज और ताशा–डमरुओं की आवाज ने पूरे गांव के लोगों का मन मोह लिया। मराठी परिधान में सजे युवक और युवतियों ने जब एक साथ ढोल–ताशा बजाए, तो उनकी आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इससे माहौल पूरी तरह उत्सव में बदल गया।

शिव बारात में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। महोत्सव के तहत कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा। इस कड़ी में भव्य महाआरती और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस सांस्कृतिक संध्या में आध्यात्मिक और संगीत जगत की नामचीन हस्तियां अपनी प्रस्तुतियां देंगी।

महाशिवरात्रि पर काशी समेत प्रदेश के शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु, विशेष व्यवस्थाएं की गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश में बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी समेत प्रदेश के अन्य शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं ने दर्शन–पूजन कर जलाभिषेक किया और मंगल कामना की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर लोकमंगल की कामना की।

काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर की मंगला आरती के बाद श्रद्धालु कतारों में लगकर दर्शन–पूजन कर रहे हैं। मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि पिछले वर्ष महाशिवरात्रि पर लगभग 12 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, जबकि इस बार 10 से 15 लाख लोगों के आने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि पांच लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले धाम में सुगम दर्शन की व्यवस्था की गई है। मिश्रा ने बताया कि भीड़ प्रबंधन के लिए अवरोधक लगाए गए हैं और छह द्वारों से दर्शन कराए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तीन स्थानों पर चिकित्सीय टीम भी तैनात हैं।

मंदिर प्रशासन ने सुबह कतार में लगे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की। बाबा विश्वनाथ 45 घंटे तक लगातार दर्शन देंगे। मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर मंदिर विश्व का आध्यात्मिक संगम बन रहा है और 62 बड़े मंदिरों से भोग–वस्त्र भेजे गए हैं। देश के 54 प्रमुख ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों और तीर्थस्थलों से आए प्रसाद, वस्त्र और तीर्थजल को अर्पित करने की परंपरा भी शुरू की गई है। बाराबंकी जिले के रामनगर स्थित प्रसिद्ध तीर्थ लोधेश्वर महादेवा मंदिर में भी आस्था का जनसैलाब उमड़ा।

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि रात 12 बजे से अब तक करीब ढाई लाख कांवड़िये और श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी सहित अधिकारियों ने रात में मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुरक्षा, यातायात, पार्किंग व प्रकाश व्यवस्था के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि अभी लगभग तीन लाख और लोगों के दर्शन करने का अनुमान है और देर रात तक श्रद्धालुओं का आना–जाना जारी रह सकता है। मथुरा में, श्री कृष्ण जन्मस्थान की ओर से भेजे गए वस्त्र महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिव को अर्पित किए जाएंगे। जन्मस्थान से शिव बारात भी निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न झांकियां, नृत्य दल और अखाड़े शामिल होंगे।

श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि इस साल की बारात में अखाड़े भी हिस्सा लेंगे।

श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि भागवत भवन में श्री केशव देवेश्वर महादेव मंदिर में शाम सात बजे से अगली सुबह तीन बजे तक महाभिषेक किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण जन्मस्थान ने आठ फरवरी को वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रसाद, पूजा का सामान, भगवान शिव और माता पार्वती के कपड़े, गहने और श्रंगार का सामान भेजा।

बांग्लादेश में चुनाव के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा का मुद्दा अहम : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश में चुनाव के बाद हुए राजनीतिक बदलावों के मद्देनजर सीमा पर हो रहे घटनाक्रमों को लेकर चिंता व्यक्त की है। शुभेंदु ने रविवार को इस पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि सीमा पर उभरी एक 'गंभीर राजनीतिक एकजुटता' के मद्देनजर कड़ी सतर्कता और सीमा पर मजबूत बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

भाजपा नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि जमात–ए–इस्लामी ने बांग्लादेश के 2026 के आम चुनाव में सतखिरा से रंगपुर तक के जिलों में 68 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की, जो पश्चिम बंगाल के संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों के सामने स्थित हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'सिलीगुड़ी कॉरिडोर' को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को मुख्य भूमि से जोड़ने वाली एक रणनीतिक जीवन रेखा बताते हुए कहा कि उस क्षेत्र में किसी भी वैचारिक एकजुटता के लिए बढ़ी हुई सतर्कता और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता होगी। भाजपा नेता ने बांग्ला में अपने पोस्ट में आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा आवश्यक भूमि अधिग्रहण में पूर्ण सहयोग देने में बार–बार विफल रही है।

मथुरा में बनेगा देश का पहला राष्ट्रीय गो-संस्कृति संग्रहालय

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर मथुरा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में देश का पहला राष्ट्रीय गो–संस्कृति संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

आगरा के मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने बताया कि इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में ही भूमि चिह्नित कर ली गई है। उन्होंने बताया कि यह संग्रहालय गोवंश के धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के साथ–साथ वैज्ञानिक दृष्टि से गाय और उसके उत्पादों की उपयोगिता को आम जनमानस तक पहुंचाएगा। मंडलायुक्त ने बताया कि परंपरा और विज्ञान के इस अनूठे संगम के माध्यम से गो–संरक्षण, गो–पालन और गो–आधारित जीवनशैली की समग्र समझ विकसित की जाएगी। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, जिलाधिकारी सीपी सिंह, मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन, परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल, परिषद के पर्यावरण सलाहकार मुकेश शर्मा तथा विश्वविद्यालय के डॉ. अमित शुक्ला ने शनिवार को प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर परियोजना की रूपरेखा पर चर्चा की।

झारखंड में पति की हत्या के लिए महिला ने 'प्रेमी' देवर के साथ साजिश रची, गिरफ्तार

गोड्डा/भाषा। झारखंड के गोड्डा जिले में अपने देवर के साथ कथित तौर पर अवैध संबंध रखने वाली एक महिला को उसके पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। महिला के अलावा भाड़े के दो हत्यारों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया, जबकि मृतक का भाई फरार बताया जा रहा है। महिला के पति (32) की 27 जनवरी को महागामा थाना क्षेत्र के मांगन पिपरा गांव में कुल्हाड़ी से वार करके हत्या कर दी गई थी।

महागामा के पुलिस अधिकारी चंद्रशेखर आजाद ने कहा, हमने मृतक की पत्नी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। हालांकि मृतक का भाई अभी फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। मृतक की पत्नी सोनी देवी (30) का अपने देवर रोहित मोदी के साथ करीब चार से पांच वर्षों से अवैध प्रेम संबंध था। दोनों शादी करना चाहते थे और इसलिए उन्होंने महिला के पति को रास्ते से हटा दिया। जांच के दौरान यह सामने आया कि पूरी घटना की साजिश महिला और उसके देवर ने मिलकर रची थी। आजाद ने बताया कि रोहित ने अपने गांव के दोस्त मोहम्मद शैन के माध्यम से एक लाख रुपए में महिला के पति की हत्या की सुपारी दी। इसके बाद शैन ने अपने पड़ोसी विजेंद्र पासवान उर्फ बिडो को इस वारदात में शामिल किया और उसे 25,000 रुपए दिए। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और अन्य संबंधित सामान भी बरामद कर लिया गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि साजिश के तहत शैन और विजेंद्र ने कुल्हाड़ी खरीदी और 27 जनवरी को रोहित के निर्देश पर शराब पिलाने के बहाने मृतक को घर से बाहर बुलाया। इसके बाद उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी।

अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने पहचान की रक्षा के लिए भाषा, संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने वैश्वीकरण के बढ़ते प्रभाव के बीच स्थानीय संस्कृति, भाषा और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की आवश्यकता पर देते हुए कहा कि समुदायों को अपनी पहचान की रक्षा की जिम्मेदारी स्वयं लेनी चाहिए।

चांगलांग जिले के मियाओ में शनिवार को 'शापावंग यांग मनौ पोई' महोत्सव को संबोधित करते हुए मीन ने कहा कि यह आयोजन केवल नृत्य और उत्सव तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें वे पवित्र अनुष्ठान शामिल हैं जो लोगों को उनके पूर्वजों से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के महोत्सवों को समाज, विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पर चिंतन करने का मंच बनना चाहिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, आधुनिकता की चुनौतियों का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक शिक्षा और बाहरी प्रभावों को रोका नहीं जा सकता लेकिन समुदायों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपनी मूल पहचान न खोएं।

उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने भाषा को पहचान का सबसे मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा, हमारी संस्कृति को कोई और संरक्षित नहीं करेगा, हमें अपनी संस्कृति खुद ही बचानी होगी।

उपमुख्यमंत्री ने स्कूलों में स्थानीय भाषाओं की शिक्षा को मजबूत करने का आह्वान किया। मीन ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करके प्राचीन पांडुलिपियों, परंपराओं, लोक कथाओं और अभिलेखीय सामग्रियों के दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए दुर्लभ पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों को डिजिटल रूप देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल : ट्रेन के खाली कोच में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के पूरबा बर्धमान जिले में रविवार तड़के कटवा रेलवे स्टेशन पर खड़ी खाली यात्री ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग गई। पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली।

दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार सुबह करीब 4:30 बजे प्लेटफॉर्म नंबर दो पर खड़ी कटवा–अजीमगंज यात्री ट्रेन के एक कोच में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की दो गाड़ियों ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया। पूर्वी रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए प्रभावित डिब्बे को बाकी डिब्बों से अलग कर दिया, जिससे आग फैलने से रोका जा सका। अधिकारी ने बताया कि हावड़ा मंडल इस घटना की विस्तृत जांच करेगा और एक फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल का दौरा करेगी। उन्होंने कहा कि आग लगने के सही कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने डिब्बे को आग की लपटों में घिरा देखा, जिससे प्लेटफॉर्म पर कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई। कोच बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सीटें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। बाहरी हिस्से पर भी व्यापक नुकसान के निशान दिखे। बाद में हावड़ा मंडल के डीआरएम विशाल कपूर ने कटवा पहुंचकर प्रभावित कोच का निरीक्षण किया। इस बीच, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिये इस घटना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पोस्ट में कहा गया है, नरेन्द्र मोदी के भारत में वंदे भारत ट्रेनों और हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर का जोर–शोर से उद्घाटन होता है, जबकि आम लोगों का भारत अब भी बुनियादी सुरक्षा मानकों के लिए संघर्ष कर रहा है।

बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान नौ मार्च को होगा : रीजीजू

तवांग/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा और उसके बाद मतदान नौ मार्च को होगा। रीजीजू ने कहा कि बजट सत्र का दूसरा चरण नौ मार्च से दो अप्रैल तक निर्धारित है। उन्होंने कहा सत्र ''दिलचस्प'' होगा क्योंकि कई ''अहम'' विधेयक को संसद में चर्चा और पारित होने के लिए पेश किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विपक्षी दल सत्र के पहले चरण की तरह विरोध को जारी रखते हैं तो अंततः यह उनके लिए ठीक नहीं होगा। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''नौ मार्च को लोकसभा में अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। नियम के अनुसार इस पर पहले दिन ही चर्चा होती है। चर्चा के बाद मतदान होगा।'' संसद का बजट सत्र 28 जनवरी को लोकसभा एवं राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश किया। बजट सत्र का अगला चरण नौ मार्च को पुनः शुरू होगा जो दो अप्रैल को समाप्त होगा।

अमेरिका से व्यापार समझौते के नाम पर भारतीय किसानों से विश्वासघात होते देख रहे : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर हमला तेज करते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई सवाल किए और किसानों के साथ विश्वासघात होने का आरोप लगाया। राहुल ने सरकार पर इस समझौते के जरिये आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह मुद्दा देश के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत किसी दूसरे देश को अपने कृषि क्षेत्र पर दीर्घकालिक नियंत्रण हासिल करने की अनुमति दे रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर लिखा, अमेरिका से व्यापार समझौते के नाम पर हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं।

बहुजन समाज और सपा के बीच संबंध मजबूत हो रहे : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि बहुजन समाज और सपा के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं तथा भविष्य में और भी गहरे होंगे।

वह पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी समेत विभिन्न दलों के 15,000 से अधिक सदस्यों के सपा में शामिल होने के मौके पर बोल रहे थे।

अपने संबोधन में यादव ने इसे ''पीडीए का प्रेम प्रसार समारोह'' बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम लोगों के बीच भाईचारा तथा आपसी सहयोग को मजबूत करेगा।

यादव ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों समुदाय को साधने के लिए 'पीडीए' शब्द गढ़ा था। उन्होंने कहा, ''शांति और प्रगति पीडीए की नींव पर टिकी है। सामाजिक एकता सकारात्मक और प्रगतिशील राजनीति की सबसे बड़ी उपलब्धि है और इसीलिए हमने इसे पीडीए नाम दिया है।'' उन्होंने कहा कि इस वर्ष पारंपरिक होली समारोहों से पहले ''पीडीए होली मिलन'' का आयोजन किया जा रहा है। सपा में शामिल होने वालों में पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के अलावा अपना दल (सोनेलाल) के पूर्व विधायक राजकुमार पाल भी शामिल हैं।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वरिष्ठ नेता और मायावती के करीबी रहे सिद्दीकी 2017 में बसपा से निष्कासित होने से पहले मायावती की सरकार में चार बार मंत्री रह चुके थे। बाद में वह कांग्रेस में शामिल हुए और हाल में उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया।

यादव ने कहा कि यह गठबंधन महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पीडीए की संभावनाएं और मजबूत होंगी। विपक्ष की एकता के पिछले प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर और राम मनोहर लोहिया ने एक बार राजनीति को नई दिशा देने के लिए मिलकर काम करने का प्रयास किया था, लेकिन परिस्थितियों और राजनीतिक माहौल ने उन्हें पर्याप्त समय नहीं दिया। उन्होंने कहा, गठबंधन बने और बाद में टूट गए, लेकिन हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में हम मिलकर उस संघर्ष को और मजबूत करेंगे।

सपा और बसपा ने 1993 में विधानसभा चुनाव के पहले गठबंधन किया था और उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार बनी।

हालांकि, जून 1995 में यह गठबंधन टूट गया और फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से मायावती नीत बसपा सरकार बनी। इसके बाद, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले बसपा और सपा ने उत्तर प्रदेश में फिर गठबंधन किया था, लेकिन चुनाव के बाद यह गठबंधन टूट गया। परोक्ष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए यादव ने शंकराचार्य का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि सपा उनके साथ खड़ी है।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान जिला प्रशासन और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बीच हुए विवाद पर विधानसभा में अपने हालिया संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुप्पी तोड़ी और कहा कि शंकराचार्य की उपाधि का उपयोग हर कोई नहीं कर सकता।

योगी ने इस बात पर बल दिया कि धार्मिक आयोजनों के दौरान धार्मिक मर्यादा और कानून का पालन किया जाना चाहिए।

अखिलेश यादव ने किसी का नाम लिए बिना कहा, पीड़ित लोग पीडीए हैं और हम शंकराचार्य जी के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि परंपराओं पर सवाल उठाने और दूसरों से प्रमाणपत्र मांगने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत ने पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी की शानदार गेंदबाजी से भारत ने रविवार को यहां वर्षा से प्रभावित पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ–लुईस (डीएलएस) पद्धति के तहत 21 रन से हरा दिया। अरुंधति (22 रन पर चार विकेट), रेणुका सिंह (14 रन पर दो विकेट) और श्री चरणी (14 रन पर दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने ऑस्ट्रेलिया की टीम 18 ओवर में 133 रन पर ढेर हो गई।

भारत ने इसके जवाब में जब उप कप्तान स्मृति मंधाना (17 गेंद में नाबाद 16) और जेमिमा रोड्रिग्स (तीन गेंद में नाबाद नौ) की पारियों से 5.1 ओवर में 50 रन बनाए थे जब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। भारत को इसके बाद विजेता घोषित किया गया क्योंकि 5.1 ओवर के बाद डीएलएस के तहत बराबरी का स्कोर 29 रन था। भारत ने एकमात्र विकेट शेफाली वर्मा (11 गेंद में 21 रन) के रूप में गंवाया जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की नई कप्तान सोफी मोलिन्यु की गेंद पर अपना विकेट गंवाया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2.2 ओवर में 22 रन बनाकर तेज शुरुआती की लेकिन बेथ मूनी (05) ने रेणुका की गेंद को हवा में लहराकर कवर्स में स्मृति मंधाना को कैच थमा दिया। दूसरी सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (10 गेंद में 18 रन) भी इसके बाद क्रांति गौड़ (39 रन पर एक विकेट) की बाहर की ओर जाती गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटकीपर ऋचा घोष को कैच दे बैठीं।

एलिस पैरी (11 गेंद में 20 रन) और फोएबे लिचफील्ड (19 गेंद में 26 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 41 रन की तेज साझेदारी करके पारी को संभाला। हालांकि जब यह जोड़ी भारत के लिए खतरा बनने लगी तब कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अरुंधति की गेंद पर पीछे दौड़कर गोता लगाते हुए पैरी का शानदार कैच पकड़ा।

दीप्ति शर्मा (19 रन पर एक विकेट) ने एशले गार्डनर (04) को पवेलियन भेजा जबकि अरुंधति ने लिचफील्ड को ऋचा के हाथों कैच कराके 10वें ओवर की शुरुआत में मेजबान ऑस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 80 रन कर दिया।

अफगानिस्तान को शीर्ष टीमों के खिलाफ और अधिक मैच खेलने की जरूरत है : राशिद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। छोटे देशों को बड़ी टीमों के खिलाफ नियमित रूप से खेलने का मौका देने की वकालत करते हुए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने रविवार को यहां कहा कि उनकी टीम को किस्मत का साथ नहीं मिला जिससे वे टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने की कगार पर है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में पांच विकेट से हार झेलने के बाद अफगानिस्तान को पिछले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों दो सुपर ओवर के बाद दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा था। इस नतीजे के बाद टीम ग्रुप डी में चौथे स्थान पर है और बाहर होने के करीब पहुंच गई है।

राशिद ने सोमवार को यहां यूएई के खिलाफ खेले जाने वाले मैच से पहले कहा, ''मुझे नहीं लगता कि बहुत कुछ गलत हुआ। हमने अच्छा क्रिकेट खेला और थोड़े बदकिस्मत रहे। आपने पिछला मैच देखा, हम बहुत करीब थे, दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचे। इससे पता चलता है कि हमने पूरी मेहनत की। उन्होंने कहा, आपने कई मैच एकतरफा देखे होंगे। अगर एक टीम को बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिलता, तो ऐसा ही होता है। अगर हम दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ ज्यादा टी20 खेलते तो हमें बेहतर अंदाजा होता कि वे हमें कहां मात दे सकते हैं और हम कहां सुधार कर सकते हैं। अगर आप साल में सिर्फ एक बार, वह भी विश्व कप में उनसे खेलते हैं तो गलती की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

राशिद ने कहा कि शीर्ष टीमों के खिलाफ नियमित द्विपक्षीय श्रृंखला न खेलने से विश्व कप मुकाबले अफगानिस्तान जैसी टीमों के लिए जरूरत से ज्यादा दबाव वाले हो जाते हैं। उन्होंने कहा, अगर आप चार दिन में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच खेलते हैं तो आपका विश्व कप चार दिन में खत्म हो सकता है, जैसा हमारे साथ हुआ। हमने चार दिन में दो मैच गंवाए और लगभग बाहर हो गए। यह अलग तरह का दबाव है। मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। छोटी सी गलती और आप प्रतियोगिता से बाहर।

इस लेग स्पिनर ने कहा, '' आप अगर उनके खिलाफ नियमित खेलेंगे, तो आपको उनकी रणनीति का अंदाजा होगा। नहीं खेलेंगे, तो वे हर बार नई योजना के साथ आएंगे। जैसे न्यूजीलैंड आक्रामक सोच के साथ आया। जितना ज्यादा हम उनके खिलाफ खेलेंगे, उतना बेहतर होंगे।''

अफगानिस्तान का सामना अब सोमवार को यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) से होगा। राशिद ने कहा कि टीम को प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

उन्होंने कहा, विश्व कप मैच में आप हमेशा पूरी ताकत झोंकते हैं, क्योंकि विश्व कप जीतना बड़ी बात है। राशिद ने कहा, ''हमने यूएई के खिलाफ काफी खेला है, वहां द्विपक्षीय श्रृंखला भी खेली है। हमारे खिलाड़ी आईएलटी 20 में भी खेले हैं। हम हालांकि यह नहीं सोच सकते कि हम आसानी से जीत जाएंगे क्योंकि हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो सुपर ओवर खेले। टी20 में अगर दो बल्लेबाज या दो गेंदबाज अच्छा स्पेल डाल दें, तो मैच हाथ से निकल जाता है। वापसी का ज्यादा समय नहीं मिलता। इसलिए हमें अपनी सर्वश्रेष्ठ योजना के साथ पूरे प्रयास से मैदान में उतरना होगा।''

सुविचार

बचपन में किसी के पास घड़ी नहीं थी पर टाइम सबके पास था लेकिन आज सबके पास घड़ी है पर टाइम किसी के पास नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धरती की सेहत सुधारें

उपजाऊ मिट्टी खेती का आधार होती है। इस पर देश के लोगों का स्वास्थ्य भी निर्भर करता है। पिछले कुछ दशकों में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग ने धरती की सेहत को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान फसलों का उत्पादन बढ़ा है, लेकिन धरती की सेहत कमजोर हुई है। मिट्टी में घुला हुआ विष फसलों के जरिए इन्सानों में जा रहा है, जिससे लोगों को कम उम्र में ही गंभीर बीमारियां हो रही हैं। ऐसे में, पद्म पुरस्कार प्राप्त किसानों और विशेषज्ञों की हालिया सलाह हमें नई राह दिखाती है। गांव स्तर पर कंपोस्ट इकाइयां बनाने से धरती की सेहत में सुधार आएगा। साथ ही, इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। अपनी सेहत की फिक्र तो सभी करते हैं। क्या हम धरती की सेहत की फिक्र करेंगे? मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट आना एक गंभीर समस्या है। देश में कई खेत ऐसे हैं, जिनमें पहले खूब फसलें लहलहाती थीं, लेकिन धीरे-धीरे वे बंजर हो गए। वहां किसानों ने यह सोचकर ज्यादा रासायनिक उर्वरकों का छिड़काव किया था कि इससे ज्यादा उत्पादन होगा। शुरुआत में हुआ भी, बाद में वह घटने लगा। ज्यादा रासायनिक उर्वरकों और ज्यादा कीटनाशकों का छिड़काव मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देता है। कई किसान इस समस्या से जूझ रहे हैं। जब उनके खेतों में फसलों का उत्पादन कम होने लगता है तो वे मिट्टी की जांच नहीं कराते, बल्कि रासायनिक उर्वरकों की मात्रा बढ़ा देते हैं। इससे फायदा होने की जगह नुकसान होता है। वास्तव में इस समस्या का समाधान गांवों में ही मौजूद है। अगर हर गांव में कंपोस्ट इकाइयां लगाकर फसल अवशेष, पशु अपशिष्ट और जैविक कचरे को खाद में बदला जाए तो मिट्टी की उर्वरता में सुधार आ सकता है। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी।

आज सोशल मीडिया पर कई किसान और विशेषज्ञ न केवल यह मुद्दा उठा रहे हैं, बल्कि समाधान भी बता रहे हैं। एक किसान अपने खेत में बैठकर फसल की गुणवत्ता के बारे में विचार कर रहे थे। उन्होंने देखा कि खेत के एक हिस्से में फसल ज्यादा अच्छी थी। वहां पौधों का रंग गहरा हरा था। उनकी ज्यादा वृद्धि हुई थी। हालांकि उन्होंने खेत के सभी हिस्सों में खाद और पानी की मात्रा समान रखी थी। उन्होंने देखा कि उस दमदार फसल के ऊपर बिजली के तार थे। वहां अक्सर बड़ी संख्या में पक्षी बैठते थे। पक्षियों के अपशिष्ट से मिट्टी को विशेष उर्वरता मिली, जिसका असर फसल में दिखाई दिया। इस अनुभव से प्रेरणा लेकर कई लोगों ने अपने बगीचे में प्रयोग किए। वहां भी नतीजे चौंकाने वाले मिले। भारत में करोड़ों पक्षी हैं। क्या उक्त प्रयोग के आधार पर बड़े स्तर पर ऐसे इंतजाम किए जा सकते हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता में कमी आए? कुदरत में हर जीव का अपनी जगह महत्त्व है। अगर धरती को बचाना है तो पक्षियों का भी संरक्षण करना होगा। हाल में बिहार के सारण जिले के किसानों द्वारा की गई एक पहल बहुत चर्चा में रही। रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती कीमत और मिट्टी की घटती गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए किसानों ने पुरानी कृषि परंपरा का सहारा लिया। उन्होंने भेड़पालकों को न्योता दिया, जिसके बाद वे अपनी भेड़ें लेकर आ गए। उनके लिए रात्रि भोजन की व्यवस्था संबंधित किसान द्वारा की जाती है। इस परंपरा के तहत भेड़ें रातभर उस किसान के खेत में बैठती हैं। उनके अपशिष्ट से खेत को प्राकृतिक खाद मिलती है। उसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे तत्त्व भरपूर मात्रा में होते हैं। किसानों का अनुभव है कि जिस जगह भेड़ें बैठती हैं, वहां अगली फसल बहुत अच्छी होती है। हमें ऐसी परंपराओं को फिर से अपनाने की जरूरत है। धरती स्वस्थ रहेगी तो अन्न में शुद्धता होगी। शुद्ध अन्न से ही स्वस्थ तन और स्वस्थ मन का निर्माण संभव है।

ट्वीटर टॉक

आज देवाधिदेव महादेव की आराधना के पावन पर्व महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सिटी पैलेस स्थित श्री राजराजेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर महादेव की आराधना की एवं समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली हेतु प्रार्थना की।

-दिया कुमारी

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित 'बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट' की छठी बैठक की अध्यक्षता करते हुए 46,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों वाली 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज की मंजूरी दी। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में हमारा एक और बड़ा कदम है।

-भजनलाल शर्मा

आज नाथद्वारा धाम में श्रीनाथजी के दर्शन का पुनः पुण्य प्राप्त हुआ। यह अतिपावन भूमि आत्मिक शांति और दिव्य ऊर्जा से परिपूर्ण है, यहाँ हर कण में भक्ति का स्पंदन अनुभव होता है। यह धाम सनातन आस्था, करुणा और संरक्षण के शाश्वत संदेश का केंद्र है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सच्ची अनुभूति

एक बार गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर हिमालय की यात्रा पर थे। केदारनाथ के सौंदर्य से अभिभूत होकर वह बार-बार कुछ गाने लगते थे। चलते-चलते जब वे थक गए, तो एक ढाबे जैसी जगह पर रुके। उनके साथ सहायकों की टोली थी। गुरुदेव को खिचड़ी बहुत पसंद है, यह सभी जानते थे। लेकिन इस स्थान पर केवल भुने हुए आलू और हरे नमक ही खाने के लिए मिले। गुरुदेव को यह एक हरे पत्ते में परोसा गया। गुरुदेव इतने चाव से इसका रसास्वादन करने लगे, मानो बचपन से ही उन्हें यही आहार पसंद हो। सहयोगी टोली खामोश रही, क्योंकि इस समय कुछ कहना या टोकना किसी ने भी उचित नहीं समझा। कुछ समय बाद, जब फिर से चलने का क्रम आरंभ हुआ, तो बातों ही बातों में एक ने पूछ लिया, 'गुरुदेव, आपको वह भुना आलू इतना स्वादिष्ट लगा, क्या सच है?' गुरुदेव ने संतोषपूर्ण भाव से जवाब दिया, 'स्वाद और जायके का कोई अलग या विशिष्ट रूप नहीं होता। जब किसी खाद्य पदार्थ की रसानुभूति उस माहौल में सबसे अधिक अच्छी लगे, जिह्वा के साथ मन को तृप्त कर दे, तो वही सर्वोत्तम आहार है।'

सामयिक

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

> **बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।**

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की नई गंगा तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी।

नजरिया

उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास के दावे कितने सही ?

डॉ. शैलेश शुक्ला
मोबाइल : 9312053330

उत्तर प्रदेश लंबे समय तक अपनी विशाल जनसंख्या, व्यापक भूगोल और प्रचुर श्रम-बल के बावजूद औद्योगिक निवेश के राष्ट्रीय मानचित्र पर अपेक्षित स्थान प्राप्त नहीं कर सका। बीते लगभग एक दशक में राज्य की आर्थिक संरचना में जो परिवर्तन दिखाई दिया है, उसका आकलन भावनात्मक या राजनीतिक विमर्श से अलग, ठोस तथ्यों और आधिकारिक आँकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए। राज्य सरकार के आर्थिक सर्वेक्षणों और सार्वजनिक आर्थिक स्रोतों के अनुसार उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2024-25 के आसपास 30 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर चुका है, जिससे यह देश की प्रमुख उप-राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित हुआ है। विनिर्माण और निर्माण गतिविधियों के विस्तार ने राज्य की सकल मूल्य वर्धन संरचना को कृषि-प्रधान स्वरूप से धीरे-धीरे बहु-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया है। यह परिवर्तन मात्र आँकड़ों का नहीं, बल्कि आर्थिक प्रवृत्तियों के बदलाव का संकेतक है।

औद्योगिक विकास की वास्तविक कसौटी केवल निवेश प्रस्तावों में नहीं, बल्कि वास्तविक पूंजी निवेश और उत्पादन क्षमता के सृजन में निहित होती है।वैश्विक निवेश सम्मेलनों के दौरान लाखों करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुए हैं। वर्ष 2023 के निवेश सम्मेलन में प्राप्त प्रस्तावों के बड़े हिस्से के क्रियान्वयन की प्रक्रिया में होने का दावा किया गया है। यद्यपि समझौता ज्ञापनों और वास्तविक निवेश के बीच अंतर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, फिर भी औद्योगिक भूमि आवंटन, परियोजना स्वीकृति और निर्माण कार्य की गति में पूर्व की तुलना में स्पष्ट तेजी देखी गई है।

निर्यात के संदर्भ में भी राज्य की स्थिति में सुधार दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश पारंपरिक रूप से हस्तशिल्प, चमड़ा, कालीन, खेल सामग्री और कृषि-आधारित उत्पादों का निर्यातक रहा है। हाल के वर्षों में राज्य का निर्यात मूल्य लगभग 1.5 से 2 लाख करोड़ रुपये के बीच रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। यह निर्यात विविधीकरण की दिशा में एक संरचनात्मक पहल है, यद्यपि गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक रूप से सुदृढ़ राज्यों से प्रतिस्पर्धा अब भी चुनौती बनी हुई है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के क्षेत्र में भी प्रगति के संकेत मिलते हैं। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश को प्राप्त एफडीआई में वृद्धि हुई है, हालांकि राष्ट्रीय हिस्सेदारी अभी भी सीमित है। डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेशकों की रुचि बढ़ी है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्लस्टर के रूप में उभरे हैं, जहाँ मोबाइल फोन निर्माण इकाइयों ने राज्य को राष्ट्रीय उत्पादन श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। अवसंरचना विस्तार औद्योगिक प्रगति का एक प्रमुख आधार है। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने राज्य के विभिन्न हिस्सों को जोड़ा है। बेहतर सड़क संपर्क से लॉजिस्टिक लागत में कमी आती है, जो उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को सीधे प्रभावित करती है। समर्पित मालवाहक गलियारे के माध्यम से औद्योगिक परिवहन की दक्षता बढ़ी है। औद्योगिक पार्कों और भूमि बैंक की उपलब्धता ने निवेशकों को प्रारंभिक लागत और समय-व्यय के संदर्भ में राहत प्रदान की है।

> **औद्योगिक विकास का सामाजिक आयाम रोजगार सृजन से जुड़ा है। नई औद्योगिक इकाइयों से लाखों रोजगार सृजित होने का दावा किया गया है, किंतु यह देखना आवश्यक है कि ये रोजगार कितने स्थायी, औपचारिक और कौशल-आधारित हैं। कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और श्रम-बल की गुणवत्ता औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए अनिवार्य हैं। क्षेत्रीय संतुलन और पर्यावरणीय स्थिरता भी महत्वपूर्ण पहलू हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश अपेक्षाकृत अधिक औद्योगिकीकृत है, जबकि पूर्वांचल और बुंदेलखंड लंबे समय तक पिछड़े रहे हैं।**

रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर राज्य की औद्योगिक नीति में एक रणनीतिक हस्तक्षेप के रूप में उभरा है। झांसी, कानपुर, लखनऊ, अलीगढ़ और आगरा जैसे नोड विकसित किए जा रहे हैं। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप यह पहल उच्च-तकनीकी विनिर्माण और रोजगार सृजन की संभावना रखती है। हालांकि रक्षा क्षेत्र की परियोजनाएँ पूंजी-गहन और दीर्घकालिक होती हैं, इसलिए इनके वास्तविक आर्थिक प्रभाव का आकलन भविष्य में ही संभव होगा। प्रशासनिक सुधारों ने औद्योगिक वातावरण को कुछ हद तक अनुकूल बनाया है। एकल-खिड़की प्रणाली और ऑनलाइन स्वीकृति तंत्र लागू किए गए हैं। निवेश मित्र' जैसे पोर्टल के माध्यम से अनुमोदन प्रक्रिया को डिजिटल किया गया है। प्रक्रियात्मक पारदर्शिता और समयबद्धता निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत हैं। कानून-व्यवस्था औद्योगिक निवेश के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। आधिकारिक अपराध आँकड़ों में कुछ श्रेणियों में कमी और कुछ में चुनौतियाँ बनी रहने का संकेत मिलता है। संगठित अपराध और भूमि माफिया के विरुद्ध कार्रवाई को प्रशासनिक प्राथमिकता बताया गया है। उद्योगों के लिए यह आवश्यक है कि भूमि स्वामित्व विवाद और सुरक्षा जोखिम न्यूनतम हों।

औद्योगिक विकास का सामाजिक आयाम रोजगार सृजन से जुड़ा है। नई औद्योगिक इकाइयों से लाखों रोजगार सृजित होने का दावा किया गया है, किंतु यह देखना आवश्यक है कि ये रोजगार कितने स्थायी, औपचारिक और कौशल-आधारित हैं। कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और श्रम-बल की गुणवत्ता औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए अनिवार्य हैं। क्षेत्रीय संतुलन और पर्यावरणीय स्थिरता भी महत्वपूर्ण पहलू हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश अपेक्षाकृत अधिक औद्योगिकीकृत है, जबकि पूर्वांचल और बुंदेलखंड लंबे समय तक पिछड़े रहे हैं। औद्योगिक नोड और अवसंरचना परियोजनाओं के माध्यम से संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। साथ ही, औद्योगिक विस्तार के साथ प्रदूषण नियंत्रण, जल प्रबंधन और हरित ऊर्जा का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। समग्रतः उत्तर प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य परिवर्तनशील है। सकारात्मक उपलब्धियों के साथ-साथ यदि निवेश क्रियान्वयन, कौशल उन्नयन, तकनीकी नवाचार और निर्यात विस्तार पर निरंतर ध्यान दिया जाए, तो राज्य आने वाले वर्षों में देश की औद्योगिक संरचना में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुनवाई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में हुए 'जनता दर्शन' के दौरान अलग-अलग जिलों के लोगों की समस्याएं सुनते हुए।

भारत के साथ नए सिरे से संबंध स्थापित करना चाहता है बांग्लादेश : कबीर

ढाका/भाषा। बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग के सत्ता से हटने के बाद भारत के साथ संबंधों को नए सिरे से स्थापित करने की इच्छा जताई है।

बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि दोनों देशों को पारस्परिक लाभ के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को हुए ऐतिहासिक संसदीय चुनाव के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए गए, जिसमें रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की।

कबीर ने शनिवार को 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में जोर देकर कहा कि बांग्लादेश में बीएनपी को मिले प्रचंड जनादेश के बाद बदली हुई राजनीतिक वास्तविकता को स्वीकार करना अब भारत की जिम्मेदारी है।

कबीर ने कहा, बदलाव भारत की सोच में आना चाहिए। शेख हसीना और अवामी लीग आज के बांग्लादेश में मौजूद नहीं हैं। जनता ने स्पष्ट रूप से बीएनपी के पक्ष में फैसला दिया है।

कबीर ने अगस्त 2024 के जनविद्रोह के बाद भारत जा चुकीं हसीना को आतंकवादी करार देते हुए उन पर 1,500 से अधिक लोगों की मौत का जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। उन्होंने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह बांग्लादेश की स्थिरता को प्रभावित करने के लिए हसीना या अवामी लीग के अन्य नेताओं को अपनी जमीन इस्तेमाल करने की अनुमति न दे। उन्होंने कहा, भारत बांग्लादेश की संप्रभुता को कमजोर करने वाली किसी भी गतिविधि में सहभागी के रूप में न दिखे। एक बार यह मुद्दा सुलझ जाए, तो सामान्य राजनयिक सहयोग फिर से शुरू हो सकता है। हम पड़ोसी हैं और हमें पारस्परिक लाभ के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

भारत ने 26 नवंबर 2025 को कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण के बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के अनुरोध पर गौर कर रहा है और बांग्लादेश की जनता के सर्वोत्तम हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, हम शांति, लोकतंत्र, समावेशन और स्थिरता समेत बांग्लादेश की जनता के सर्वोत्तम हितों के प्रति प्रतिबद्ध हैं और इस संबंध में सभी पक्षों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।

कबीर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रहमान के बीच फोन पर हुई सौहार्दपूर्ण बातचीत का भी उल्लेख किया, जिसमें मोदी ने रहमान को सुविधाजनक समय पर भारत आने का निमंत्रण दिया।

ब्रिटेन ने रासायनिक हथियारों का उपयोग करने के लिए रूस की निंदा की

लंदन/भाषा। ब्रिटेन सरकार ने घातक मेंढक विष जैसे 'घृणित साधनों' का इस्तेमाल करने के लिए रूस की निंदा की है जिसका उपयोग कथित तौर पर प्रमुख रूसी कार्यकर्ता एलेक्सी नवलनी के खिलाफ किया गया था। नवलनी की दो साल पहले साइबेरियाई जेल में मौत हो गई थी।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विरोधी नवलनी की फरवरी 2024 में साइबेरिया में स्थित एक रूसी दंड कॉलोनी में कैद के दौरान मृत्यु हो गई।

ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि यूरोपीय सहयोगियों के साथ लगातार और सहयोगात्मक प्रयोगशाला जांच में इसकी पुष्टि हुई है कि इक्वाडोर डार्ट मेंढकों की त्वचा में पाया जाने वाला घातक विष 'एपिबैटिडाइन' नवलनी के शरीर से लिए गए नमूनों में पाया गया था और इसकी बहुत आशंका है कि इसी के कारण उनकी मृत्यु हुई।

ब्रिटेन ने कहा कि उसने रूस के रसायनिक हथियार संधि का स्पष्ट उल्लंघन के बारे में रसायनिक हथियार प्रतिबंध संगठन को सूचित किया है। जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से जारी एक बयान में कूपर ने कहा, जब से यूलिया नावलनया ने दो साल पहले म्यूनिख में अपने पति के निधन की जानकारी दी थी, ब्रिटेन ने एलेक्सी नवलनी की मौत के सच को खोजने में दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास किया है। उन्होंने कहा, केवल रूसी सरकार के पास एलेक्सी नवलनी के रूस में कैद रहने के दौरान इस घातक विष का इस्तेमाल करने की क्षमता, उद्देश्य और अवसर था।

भूमि पेडनेकर ने 'द लेडी किलर' को लेकर तोड़ी चुप्पी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी फिल्म 'द लेडी किलर' की असफलता और उससे जुड़े विवादों पर पहली बार खुलकर बात की है। अर्जुन कपूर के साथ बनी यह क्राइम-थ्रिलर भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में गिनी जाती है। भूमि ने एक इंटरव्यू में बताया कि दर्शकों ने जो फिल्म देखी, वह अधूरी थी। उनके अनुसार, फिल्म का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा कभी शूट ही नहीं हुआ, जबकि कलाकारों ने जो स्क्रिप्ट पढ़ी थी, वह पूरी थी।

भूमि ने कहा कि सेट पर हालात ऐसे बने कि फिल्म अधूरी ही छोड़ दी गई और जो संस्करण सिनेमाघरों में रिलीज हुआ, वह मूल कहानी से काफी अलग था। उन्होंने बताया, मैं सदमे में थी।

समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है। काश, मुझे बेहतर जानकारी होती, शायद मैं चीजों को अलग तरह से संभाल पाती। जो फिल्म रिलीज हुई, वह उस प्रोजेक्ट से कोसों दूर थी जिसे हमने साइन किया था। इस असफलता ने उन्हें मानसिक और पेशेवर रूप से झकझोर दिया और एक समय उन्हें लगा कि उनका करियर खत्म हो चुका है।

फिल्म का निर्देशन विकास बहल ने किया था। 3 नवंबर 2023 को रिलीज हुई इस फिल्म का बजट लगभग 45 करोड़ रुपये बताया गया, जबकि बॉक्स ऑफिस पर यह महज 1 लाख रुपये ही कमा सकी। इतना ही नहीं, फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी खरीदार नहीं मिला और अंततः इसे मुफ्त में यूट्यूब पर रिलीज करना पड़ा। भूमि आज भी मानती हैं कि यह अनुभव उनके लिए एक कठिन सीख साबित हुआ, जिसने उन्हें सिस्टम और फिल्म निर्माण की जटिलताओं को समझने का मौका दिया।

आध्यात्मिक यात्रा पर निकले कीकू शारदा, अयोध्या को बताया सुकून और शांति देने वाला स्थल

मुंबई/एजेन्सी

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में लंबे समय से काम कर रहे कमीडियन कीकू शारदा दर्शकों को हंसाने का काम करते आए हैं। मंच पर अपनी हाजिरजवाबी, चुलबुले अंदाज और हल्के-फुल्के मजाक से दर्शकों को ठहाके लगाने पर मजबूर करने वाले कीकू, निजी जीवन में बिल्कुल अलग व्यक्तित्व रखते हैं। जहां स्क्रीन पर उनका रूप चंचल और मस्ती भरा दिखाई देता है, वहीं वास्तविक जीवन में वे अध्यात्म की ओर गहरी आस्था रखते हैं। उनका कहना है कि मंदिरों में उन्हें जिस प्रकार की मानसिक शांति और आत्मिक सुकून का अनुभव होता है, वैसा अहसास उन्हें कहीं और नहीं मिलता। अब महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर उन्होंने अयोध्या भ्रमण की मंत्रमुग्ध कर देने वाली यात्रा शेयर की है। कीकू शारदा को अयोध्या के धार्मिक स्थलों का भ्रमण करते हुए देखा गया, जहां राम मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर की ऊर्जा ने उन्हें सुकून और शांति दोनों दी। अपने इंस्टाग्राम पर कीकू ने यात्रा से जुड़ी फोटो और अनुभव दोनों शेयर किए हैं और अपनी धार्मिक यात्रा के दौरान महसूस हुई आंतरिक शांति को शब्दों में पिरोने की कोशिश की है।

अपनी पत्नी के साथ फोटो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, अयोध्या के राम मंदिर की हमारी यात्रा आस्था, भावनाओं और गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव का अनुभव थी। राम मंदिर की भव्यता ने हमें मंत्रमुग्ध कर दिया। इसकी जटिल नक्काशी और दिव्य आभा सदियों की भक्ति और आस्था को प्रतिबिंबित कर रही थी। राम लल्ला के सामने खड़े होकर हमारे भीतर एक गहरी शांति का अनुभव हुआ, कृतज्ञता, आशा और समर्पण की मौन प्रार्थना।

उन्होंने आगे लिखा, वहां से हम हनुमानगढ़ी की पवित्र सीढ़ियों पर चढ़े। ऊर्जा, शक्ति और सुरक्षा का भरपूर अनुभव हुआ। भगवान हनुमान का मंदिर शक्तिशाली होते हुए भी सुकून देने वाला था, मानो हमें याद दिला रहा हो कि आस्था कोमल और साहसी दोनों होती है। ऊपर से अयोध्या का मनोरम दृश्य उस क्षण की शांति को और बढ़ा रहा था। कीकू शारदा आज भी कपिल शर्मा शो का हिस्सा हैं और सुनील ग्रोवर व कृष्णा अभिषेक के साथ अलग-अलग किरदार में कॉमेडी करते दिखते हैं। अपकमिंग एपिसोड में कीकू अम्मा जी बने हैं और सुनील ग्रोवर उनकी बहू। 'ओ रोमियो' का प्रमोशन करने आए शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी कीकू और सुनील दोनों की कॉमेडी से लोटपोट होने वाले हैं।

शोभा यात्रा

वाराणसी में महा शिवरात्रि के मौके पर जंगमबाड़ी मठ से निकली धार्मिक शोभा यात्रा में लोग हिस्सा लेते हुए।

रोहित शेट्टी-रणवीर सिंह के मैनेजर का बयान दर्ज, पुलिस ने महत्वपूर्ण सीन को किया रीक्रिएट

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई पुलिस ने रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग और रणवीर सिंह को मिली धमकी के मामले में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पुलिस ने रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह के मैनेजर का बयान दर्ज कर लिया है। साथ ही रोहित शेट्टी केस से जुड़े महत्वपूर्ण सीन को भी रीक्रिएट किया गया है।

रणवीर सिंह को एक अनजान नंबर से वॉइस नोट मिला, जिसमें धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और पैसे की मांग की। घटना को लेकर रणवीर ने तुरंत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सूचना दी थी। वहीं, मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम रणवीर सिंह के पास पहुंची और उनके मैनेजर का बयान लिया। पुलिस ने जांच में यह भी पूछा कि क्या रणवीर को पहले कोई धमकी मिली थी या कोई पुरानी घटना हुई थी। धमकी वॉइस नोट में रणवीर के स्टाफ को निशाना बनाने की बात कही गई। पुलिस ने वॉइस की जांच शुरू कर दी है और सोर्स ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे से मुंबई तक स्कूटी लाने के सीन को रीक्रिएट किया। इस दौरान चार आरोपी स्वप्निल सकट, आदित्य गायकी, सिद्धार्थ येनपुरे और समर्थ पोमाजी को साथ रखा गया। पुलिस ने स्कूटी खरीदने से लेकर पुणे से सड़क मार्ग से मुंबई लाने, रुकने की जगहों और विले पार्ले स्टेशन के बाहर पार्क करने तक के हर सीन को दोहराया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि स्कूटी मुंबई पहुंचने के बाद मुख्य आरोपी शुभम लोंकर ने उन्हें 11 हजार रुपए और दिए। पहले पुलिस ने 40 हजार रुपए की बात कही थी, लेकिन जांच में कुल 51 हजार रुपए (30 हजार स्कूटी के लिए, 21 हजार खर्च) सामने आए। इस रीक्रिएशन की पूरी वीडियोग्राफी की गई, जो कोर्ट में पेश की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, छठवें आरोपी प्रवीण लोनकर की जेल से 2-3 दिनों में हिरासत ली जाएगी। मुख्य शूटर और उसका साथी अभी फरार हैं, उनकी तलाश जारी है। पुलिस ने मामले में आरोपियों पर मकोका एक्ट लगाया है और जांच तेज कर दी है।

फरवरी के तीसरे हफ्ते ओटीटी पर दस्तक देंगी 'द नाइट एजेंट'

मुंबई/एजेन्सी

सिनेमाघरों से ज्यादा ओटीटी पर मनोरंजन खोजने वाले दर्शकों के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फरवरी सस्पेंस और थ्रिलर से भरा महीना रहा है। महीने के तीसरे हफ्ते (19-20 फरवरी) ऐसी फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी। हम आपके लिए हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों की शानदार फिल्मों और सीरीज की जानकारी लेकर आए हैं। दो सीजन की शानदार सक्सेस के बाद ओटीटी पर 'द नाइट एजेंट' तीसरे सीजन के साथ लौट रही है।

सीरीज एक्शन और थ्रिलर से भरी है, जिसे दर्शक 19 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे। सीरीज की कहानी को सीजन-2 से कनेक्ट करते हुए नाइट एजेंट पीटर सदरलैंड एक बार फिर विस्फोटक एक्शन के साथ नए मिशन पर लौटते दिखेंगे। एप्पल टीवी प्लस पर रिलीज होने वाली 'द लास्ट थिंग ही टोल्ड मी सीजन 2' दर्शकों की फेवरेट सीरीज रही है। इसके पहले पार्ट को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और अब सीजन में हन्ना और उसकी सौतेली बेटी की कहानी से स्टोरी को आगे बढ़ाया जाएगा। सीरीज 20 फरवरी को रिलीज होगी।

सीरीज में पहले सीजन में काम कर चुके जेनिफर गार्नर, एंगौरी राइस, निकोलज कोस्टर-वाल्डौ और डेविड मोर्स दोबारा देखने को मिलेंगे और साथ ही कुछ नए कलाकारों की एंट्री होगी। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' ओटीटी पर 19 फरवरी को रिलीज होगी। इससे पहले फिल्म को 5 फरवरी को अमेजन प्राइम पर रेंट पर रिलीज किया गया था, जिसमें 349 का भुगतान करने के बाद भी देखा जा सकता था, लेकिन 19 फरवरी से फिल्म को सब्सक्राइबर्स आसानी से देख पाएंगे। फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

19 फरवरी से नेटफ्लिक्स 'द स्वीडिश कनेक्शन' भी रिलीज होगी, जोकि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्वीडिश विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी गोस्टा एंगज़ेल की सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें नौकरशाही में काम करने वाला एक शख्स हजारों यहूदियों को बचाने का काम करता है। महीने के आखिर में आती है '56 डेज़'। 8-एपिसोड की साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। सीरीज को अमेज़न प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। सीरीज कैथरीन रयान हॉवर्ड के उपन्यास पर बेस्ड है जिसमें एक ऐसे कपल की कहानी दिखाई गई है, जो कोविड के दौरान लॉकडाउन में साथ रहते हैं और दोनों के बीच प्यार पनपता है, लेकिन मोहब्बत की कहानी मर्डर की कहानी में तब्दील हो जाती है।

श्रीलीला ने अभिनय के साथ पूरा किया एमबीबीएस का सपना

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री श्रीलीला ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने अभिनेत्री साई पल्लवी की तरह अभिनय के साथ-साथ एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली। अभिनेत्री कई सालों से मेडिकल की पढ़ाई के साथ फिल्मों में काम कर रही थीं। श्रीलीला ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर ग्रेजुएशन समारोह की तस्वीरें पोस्ट कीं। अभिनेत्री ने मैरून गाउन पहना हुआ है। कुछ तस्वीरों में वे ग्रेजुएशन डिग्री ले रही हैं, तो परिवार और बैचमेट्स के साथ पोज दे रही हैं। श्रीलीला ने लिखा, एक बड़ा मुकाम। यह यात्रा आप सबका साथ थी, चाहे जानकर या फिर अनजाने में। यह जगह मेरी शांति बन गई, जहां मैं खुद रह सका। आपकी लड़की ने वाद निभाया। यह सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि आगे बढ़ने, विश्वास करने, आंसू बहाने, हिम्मत दिखाने और खुद को मजबूत बनाने की कहानी है।

अभिनेत्री ने आगे अपने परिवार, दोस्तों और टीम को धन्यवाद दिया, जिन्होंने परीक्षाओं के समय श्रीलीला का साथ दिया। उन्होंने लिखा, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। उन सभी का दिल से शुक्रिया। क्लासमेट्स और फैंस का भी शुक्रिया, जिनकी मुस्कान और प्रोत्साहन ने मुझे आगे बढ़ाया। इस अध्याय ने मुझे विनम्र और मजबूत बनाया है। अब खुद को फिर से पेश करती हूं। आपकी स्नेहपूर्वक, डॉ. श्रीलीला।

बता दें कि अभिनेत्री की ग्रेजुएशन सेरेमनी 10 फरवरी को हुई थी, जिसके बाद से ही सेरेमनी की कुछ तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे थे। शुक्रवार को अभिनेत्री ने पोस्ट कर आधिकारिक जानकारी दी।

पोस्ट शेयर करने के बाद श्रीलीला के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेत्री राशि खन्ना, ध्वनी भानुशाली और रेमो डिसूजा ने लिखा, बधाई हो डॉक्टर। श्रीलीला कई सालों से फिल्मों में काम कर रही हैं और साथ ही मेडिकल की पढ़ाई भी जारी रखी थी। पिछले छह सालों में उन्होंने शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल के बीच पढ़ाई का संतुलन बनाए रखा। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और मुंबई की डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी से उन्होंने एमबीबीएस की डिग्री हासिल की।

हर दिन को जीना चाहिए, कैंसर सर्वाइवर हिना खान ने बताया जिंदगी के प्रति अपना नजरिया

मुंबई/एजेन्सी

कैंसर सर्वाइवर टीवी एक्ट्रेस हिना खान हाल ही में सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल द्वारा आयोजित ऑन्कोलॉजी लीडरशिप टाउनहॉल 'इलुमिनेट 3.0 में पहुंची। अभिनेत्री ने कैंसर के बारे में लोगों को जागरूक किया और बताया कि कैंसर होने का मतलब सीधा मौत नहीं है; अगर समय पर स्क्रीनिंग और जांच हो जाए तो इस बीमारी से भी लड़ा जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि पूरी जर्नी के दौरान और आज भी उनके पति रॉकी और उनके पूरे परिवार ने कैसे उनका साथ दिया है। इवेंट में पहुंची हिना खान ने मंच से कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में आने का अवसर मिला है। डॉक्टरों के सहयोग से ही मैं आज यहां खड़ी हूं, और मेरे परिवार के प्यार और मेरे पति रॉकी की हिम्मत की वजह से ही मैं आज ठीक हूं। शादी के बाद भी हमारे रिश्ते में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया, वे आज भी पहले की तरह ही देखभाल करते हैं।

अपनी कैंसर जर्नी पर बात करते हुए हिना ने कहा, मैं काफी समय से इस जर्नी से गुजर रही हूं और आज भी रिकवर करने की कोशिश कर रही हूं। लोग मुझसे सवाल करते हैं कि आपने क्या किया, लेकिन ये जरूरी नहीं कि जो मैंने किया, वो हर किसी पर कारगर साबित हो क्योंकि सबकी बॉडी अलग होती है। मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि लोगों को आज में जीना चाहिए। किसी भी हालत में खुश रहना चाहिए क्योंकि नहीं पता कब क्या हो जाए। जो लोग हेल्दी हैं, वो भी अचानक से बड़ी बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं, तो हर पल को खुलकर जीना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, मैं वो हर चीज कर रही हूं जो मुझे करनी है। मैंने डॉक्टर से कहा कि मुझे आइसलैंड जाना है और बर्फ के पानी में बाथ लेना है और दुनिया की अलग-अलग जगहों पर ट्रैवल करना है। आज मेरा जो मन करता है, वो मैं खाती हूं; जहां जाना है, वहां जाती हूं। मैंने कभी खुद को मरीज की तरह फील नहीं किया, और न ही मेरे डॉक्टर ने करवाया।

केवल तीर्थंकर को मानना पर्याप्त नहीं, उनके गुणों को जीवन में उतारना ही सच्ची जिन भक्ति : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरकाली। स्थानीय श्री एस.एस. जैन संघ, सिरकाली के तत्वावधान में आज वैरावन कोडी स्ट्रीट स्थित जैन भवन में प्रभु आदिनाथ एवं मुनिसुव्रत स्वामी के केवलज्ञान कल्याणक के निमित्त भव्य 'जिन भक्ति आराधना दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. समकित मुनि जी म.सा. ने विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'जैन' वही है जो 'जिनेन्द्र' की आज्ञा को मानता है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में इंसान को पाप का चस्का (लत) लगा है, जबकि उसे धर्म का चस्का लगना चाहिए। पाप का रास्ता हमें दुर्गति की ओर ले जाता है, जबकि धर्म का रास्ता हमें सद्गति और तीर्थंकरों के मार्ग की ओर ले जाता है।

गुरुदेव ने समाज को आईना दिखाते हुए कड़े शब्दों में कहा कि हम तीर्थंकर को जानते भी हैं और मानते भी हैं, लेकिन हमारे आचरण में तीर्थंकर की छवि नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि केवल धर्म को अच्छा कहने से काम नहीं चलेगा, धर्म को करना भी पड़ेगा। जब तक आचरण में सुधार नहीं होगा, तब तक आत्मा का कल्याण संभव नहीं है। हमारा कोई भी कार्य (कर्म) ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे 'जिन शासन', हमारे परिवार, समाज या धर्म पर उंगली उठे। हमें ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे धर्म की शोभा बढ़े। प्रवचन

के दौरान मुनि श्री ने धर्म को राष्ट्र सेवा से जोड़ते हुए एक अनूठा संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि सड़क पर या सार्वजनिक स्थान पर कचरा नहीं फैलाना भी देश सेवा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गंदगी फैलाना नहीं, बल्कि सफाई रखना ही असली धर्म है और सद्गुणों को फैलाना ही जीवन की सार्थकता है।

कार्यक्रम में प्रभु आदिनाथ एवं मुनिसुव्रत स्वामी केवल ज्ञान कल्याणक श्रद्धालुओं ने दो दो सामायिक कर मनाई। कार्यक्रम के अंत में एस.एस. जैन संघ के अध्यक्ष पुखराज बांठिया और मंत्री धनराज चौधरी ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ रक्षक हरकचन्द बोहरा, सुरेशचंद चौधरी, कार्याध्यक्ष धनराज बांठिया, उपाध्यक्ष सुरेश खिंवसरा, पुखराज खटोड़, राजकुमार बरमेचा, सह मंत्री सुनील बाबेल, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार सिंघवी और सह कोषाध्यक्ष विमल लुणावत आदि का अभूतपूर्व सहयोग रहा।

कार्यक्रम में चिदंबरम से अध्यक्ष मदनलाल भंडारी, मंत्री पन्नालाल दुधेड़िया एवं संघपति महावीर कोठारी, मायावरम से अध्यक्ष किशोर तातेड़, मंत्री कन्हैयालाल मेहता एवं कोषाध्यक्ष मनोज लोढ़ा, काठमीनारकुड़ी से अध्यक्ष प्रसन्न डागा एवं मंत्री घीसुलाल जोशी, कोलिडम से अध्यक्ष मुन्नालाल श्रीमाल एवं मंत्री दिनेश खिंवसरा, कुम्भकोणम से अशोक श्रीमाल, काईकराल से अनिल सेठी, चेन्नई से अध्यक्ष संगीता बांठिया, महेंद्र गुलेच्छा, सुशीला बाई, रूप सिंह चौधरी, रजत गुलेच्छा, श्रेयांश मरलेचा एवं दिनेश गुगलिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में मनोज जैन ने संत श्री से मायावरम पधारने कि पुरजोर विनती की।

जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा तमिलनाडु द्वारा स्वर्ण सदस्यता दान समर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुत्तणी। श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, युवा शाखा तमिलनाडु (नई दिल्ली) 2025-2027 द्वारा 96वें गौ सेवा कार्यक्रम के पावन उद्देश्य से एक सराहनीय पहल करते हुए 51,000 हजार की स्वर्ण सदस्यता राशि विनम्रतापूर्वक समर्पित की गई।

यह समर्पण गुरुदेव श्रमण संघीय मंत्री राष्ट्रसंत पूज्य कमल मुनि 'कमलेश' जी के 70वें जन्मदिवस के शुभ अवसर पर किया गया। यह पावन राशि श्रद्धा, भक्ति एवं कृतज्ञता भाव के साथ श्री गुरु जयमल जैन शुभ पार्श्व पदमोदय गौशाला, तिरुत्तणी (तमिलनाडु) को अर्पित की गई। गौ सेवा, जीव दया एवं मानवता के संरक्षण हेतु यह योगदान समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बताया कि गौ सेवा ही सच्ची सेवा है तथा ऐसे पुण्य कार्यों में समाज की सहभागिता अनिवार्य है। कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने गौ सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा भविष्य में भी सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। युवा अध्यक्ष मनीष रांका ने इस पावन कार्य में सहयोग देने वाले सभी राष्ट्रीय एवं प्रांतीय सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित हुई देश भर में जैनोलोजी परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैनोलॉजी, जैन धर्म से जुड़े दर्शन और सिद्धांतों का अध्ययन है। जैन धर्म, श्रमण संस्कृति के प्राचीन धर्मों में से एक है। जैन धर्म के सिद्धांतों और दर्शन को समझने के लिए जैनोलॉजी विषय पढ़ाया जाता है। जैन धर्म के सर्वांगीण आकलन के लिए, सब ही क्षेत्र में अद्वितीय मार्गदर्शन करानेवाला यह कोर्स, जैनत्व की वास्तविक क्रांति का प्राकट्य करने का सर्व प्रथम चरण है। आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित जैनोलोजी कोर्स की परीक्षा 15 फरवरी को 170 केन्द्रो में आयोजित की गयी।

डॉ.निर्मला जैन के मार्गदर्शन पर पूरा यह जैनोलोजी कोर्स तैयार किया गया हैं। चैन्नई में यह परीक्षा चूलै, वेपेरी, मयलापुर, कोरुक्खपेट, किलपॉक, नार्थ टाउन बिन्नी आदि कई केन्द्रों में हुई। जिन विद्यार्थियों ने किसी कारणवश इस परीक्षा में भाग नहीं लिया वे 19 फरवरी को अपनी परीक्षा दे सकते हैं।

इस जैनोलोजी कोर्स में चार अलग अलग कोर्स के परीक्षा होती हैं। पहला डिप्लोमा इन जैनोलोजी (त्रिवर्षीय कोर्स), दूसरा डिप्लोमा इन तत्वज्ञान (एकवर्षीय कोर्स), तीसरा डिप्लोमा इन जैन विद्या (जीव विचार, नव-तत्व, दण्डक, लघु संग्रहणी, चैत्यवंदन भाष्य, गुरुवंदन भाष्य, प्रत्याख्यान भाष्य) और चौथा कर्म ग्रन्थ (भाग 1 -भाग 6)। परीक्षा के पूर्व प्रमुख क्षेत्रों में शिविर का भी आयोजन किया जाता हैं । अधिक जानकारी के लिए आदिनाथ जैन ट्रस्ट के फोन 044-43807077 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

बुजुर्गों का बढाया मान, चरण पाद पूजा से किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां रविवार को शंकरनगर स्थित महावीर भवन में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, सेलम तथा प्लेटिनम भावांजलि फाउंडेशन, चेन्नई के संयुक्त तत्वावधान में सकल जैन संघ के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में जैन समाज के पचहत्तर वर्ष या उससे अधिक के बुजुर्ग पुरुष एवं महिला को उनकी चरण पाद पूजा के लिए आमंत्रित किया गया।

स्थानकवासी संघ के ललित मुणोत ने आगंतुकों का स्वागत किया। आयोजन के लाभार्थी चन्द्रप्रकाश खटोर परिवार की ओर से यशोदा खटोर ने बताया कि सेलम वासियों के लिए यह पहला अवसर है जब हम एक मंच पर अपने माता पिता का सम्मान कर उनके सम्मान में कुछ करने जा रहे हैं और इसके लिए चेन्नई की प्लेटिनम भावांजलि फाउंडेशन, जो जीडी रांका के नेतृत्व में तमिलनाडु भर में बुजुर्गों की खुशहाल जिंदगी के लिए प्रयासरत है, को सेलम में आयोजन को साकार करने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। फाउंडेशन के वाइस चैयरमैन विमल धारीवाल ने संस्था की स्थापना से लेकर अब तक की गतिविधियों से अवगत कराया। घर में बड़ों का होना हमारे सिर पर छत के समान होता है परंतु आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में देखा गया अक्सर लोगों के पास अपने माँ बाप के साथ बैठ कर दो पल दुःख सुख की बात करने तक का वक्त नहीं होता है।

प्लेटिनम भावांजलि फ़ाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी जीडी रांका ने कहा कि उनका सपना और इस संस्था का लक्ष्य केवल जैन समाज के वृद्ध व्यक्तियों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए सदैव नवीन योजनाओं पर कार्य करना है। चेन्नई में संचालित एक रिक्रिएशन सेंटर के बारे में जानकारी दी कि वहां पर बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य जांच पड़ताल, मनोरंजन, भजन किर्तन, लाईब्रेरी आदि सभी सुविधाएं उपलब्ध है। तमिलनाडु के अन्य शहरों में भी इस प्रकार के सेंटरों का विकास होना चाहिए।

समारोह के अगले चरण में सम्मिलित लगभग अस्सी बुजुर्गों का माला पहनाकर एवं शील्ड प्रदान कर सम्मान किया गया, तत्पश्चात उनके बच्चों ने अपने माता पिता की जल तथा दुग्ध से चरण पाद पूजा की। शामिल अभिभावकों में सबसे वरिष्ठ माता जिनकी उम्र निन्यानबे साल दर्ज की गई। सेलम के वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ के युवा मंडल ने आयोजन की सुंदर सुचारू व्यवस्था में अद्भुत सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन विकास सालेचा ने किया।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने 'आइओबी ग्राम स्वीकार' पहल का शुभारम्भ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank
Good People to Grow with

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक ने देश के स्टार्टअप तंत्र को मजबूत करने और ग्रामीण समुदायों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ किया है बैंक ने अपने समर्पित स्टार्टअप बैंकिंग नेटवर्क का विस्तार करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों तक अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए आइओबी ग्राम स्वीकार' नामक एक विशेष पहल का शुभारम्भ किया है। इन महत्वपूर्ण सेवाओं को वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू और बैंक के शीर्ष प्रबंधन ने वर्चुअल माध्यम से चेन्नई में इसका शुभारम्भ किया।

चेन्नई में स्थित अपनी पहली स्टार्टअप-फोकस्ड शाखा की शानदार सफलता से प्रेरित होकर बैंक ने अब दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु में भी अपनी विशेष स्टार्टअप बैंकिंग शाखाएँ खोलना आरंभ किया है। बैंक ने अपने नवाचार केंद्रों में अपने विस्तार के माध्यम से विशिष्ट वित्तीय समाधान, परामर्श सहायता एवं सुसंरचित ऋण पहुँच प्रदान करने का लक्ष्य रखा है ताकि नए और विकासोन्मुखी उद्यमों को सशक्त बनाया जा सके। 'आइओबी ग्राम स्वीकार' पहल के अन्तर्गत बैंक ने केरल के तिरुवनंतपुरम जिले सहित तमिलनाडु के 14 जिलों में 90 ग्राम-पंचायतों को गोद लिया है इस पहल का उद्देश्य ऋण वितरण को मजबूत करना, वित्तीय साक्षरता बढ़ाना और बैंक के प्रमुख वित्तीय उत्पादों तथा सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना है।

जीतो साउथ लेडीज विंग के पिकलबॉल टूर्नामेंट में 'नेट निंजाज़ टीम' बनी ओवरऑल विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो(जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन) साउथ लेडीज़ विंग द्वारा पिकल पावर प्ले, पिकलबॉल टूर्नामेंट का आयोजन क्लच स्पोर्ट्स सभागार में किया गया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह खेल आयोजन सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण को साकार रूप देता है। उन्होंने टीम भावना, समन्वय और संयम जैसे जीवन मूल्यों पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने कहा कि जीत और हार खेल का हिस्सा हैं, किंतु सच्ची खेल भावना वही है जिसमें पराजय में भी गरिमा बनी रहे। कार्यक्रम की संयोजक नीलम सांड एवं नीतू गुलेच्छा ने सभी प्रतिभागियों को नियमों की जानकारी दी। नीलम सांड ने कहा, खेल हमें अनुशासन और संतुलन सिखाता है। आज हम केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का उत्सव मना रहे हैं। नीतू गुलेच्छा ने कहा, हमारा उद्देश्य हर खिलाड़ी के चेहरे की मुस्कान लाना है। जब महिलाएँ स्वयं पर विश्वास करती हैं, तो हर कोर्ट उनके लिए अवसर बन जाता है। टूर्नामेंट में कुल 56 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिन्हें चार टीमों में विभाजित किया गया, किचन क्रशर्स टीम से किरण नागोरी, स्मैश क्वींस टीम से सारिका मेहता, पावर दिवाज़ टीम की सीमा और नेट निंजाज़ टीम की वंदना जैन ने कप्तानी की। खेल प्रारंभ होने से पूर्व एक प्रश्नावली भी आयोजित की गई, जिसमें सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली टीम को मैच शुरू होने से पहले 2 अतिरिक्त अंक प्रदान किए गए, यह ज्ञान और खेल का सुंदर संगम था। लीग मैचों में नेट निंजाज़ बनाम स्मैश क्वींस तथा किचन क्रशर्स बनाम पावर दिवाज़ के बीच मुकाबले हुए। नेट निंजाज़ और पावर दिवाज़ टीम सेमीफाइनल में पहुँचीं। प्रत्येक मैच में 7 डबल्स मुकाबले खेले गए, जो 15 अंकों तक चले। हर 8 अंकों के बाद खिलाड़ी कोर्ट की दिशा बदलती थीं। हर मैच के अंत में खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाकर सच्ची खेल भावना का परिचय दिया। फाइनल मुकाबला नेट निंजाज़ और स्मैश क्वींस टीम के बीच हुआ, जिसमें विशेष प्रारूप शामिल किया गया। 21 अंकों का रिले राउंड खेला गया, जिसमें हर 5 अंकों के बाद डबल्स जोड़ी बदली गई। यह राउंड नेट निंजाज़ टीम ने जीता।

इसके बाद दोनों कप्तानों, सारिका मेहता और वंदना जैन के बीच सिंगल्स मैच हुआ, जिसमें सारिका मेहता विजयी रहीं। अंत में जोकर मैच में चिट द्वारा जोड़ी निर्धारित की गई और 15 अंकों का डबल्स मुकाबला खेला गया, जिसमें नेट निंजाज़ ने जीत दर्ज कर समग्र रूप से विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। विजेता और उपविजेता टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किए गए।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को पेन वितरित

श्रीपुरम श्रीनारायणी पीठम में श्री सरस्वती यज्ञ का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/वेल्लूर। यहां वेल्लूर के श्रीपुरम स्थित श्री नारायणी पीठम में श्री शक्ति अम्मा के दिव्य आशीर्वाद से शनिवार को श्री सरस्वती यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत 10वीं, 11वीं एवं 12वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षार्थी विद्यार्थियों को पेन वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों की शैक्षणिक सफलता, उज्ज्वल भविष्य तथा ज्ञान-वृद्धि के लिए विशेष पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को माता सरस्वती का आशीर्वाद प्रदान कर उनकी परीक्षाओं में सफलता सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम में डॉ. एम. सुरेश बाबू, निदेशक एवं ट्रस्टी, श्रीपुरम श्री नारायणी पीठम सहित अन्य पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। विद्यार्थियों और अभिभावकों ने इस पहल के लिए पीठम प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ।

शांति प्राप्त करने का साधन है संयम : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केआरपुरम स्थित अनिल पुगलिया के निवास पर विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में रविवारीय विशेष प्रवचन हुआ। साध्वीश्री ने 'वी हेप्पी' विषय पर बोलते हुए कहा कि हमारे जीवन के शब्दकोष के सबसे मूल्यवान शब्द है शांति एवं प्रसन्नता।

पैसे, रोटी, घर, कपड़े, आलीशान सुविधाओं का मूल्य तभी है जब मन में शांति है।

आज व्यक्ति नैतिकता की अंधी दौड़ में भाग रहा है वो सुविधाएं तो बहुत जुटा रहा है पर शांति नहीं है। उसे प्राप्त करने का एक साधन है संयम।

आहार संयम, वाणी संयम, शरीर संयम, मन संयम होगा तो हम प्रसन्नता एवं शांति को प्राप्त कर सकते है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने रविवार पर विशेष योग होने से मून मेडिटेशन के साथ विशेष मंत्रों का उच्चारण किया।

ओम की ध्वनि तथा अर्हम के रक्षा कवच के साथ अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। विशिष्ट मंत्रों का एक साथ उच्चारण विघ्न निवारक, मंगलदायक एवं शांतिप्रदायक होता हैं सकारात्मक ऊर्जा का विकास एवं नकारात्मक ऊर्जा का पतन होता हैं ।

चंद्रमा हमारे मन,स्वभाव बुद्धि का कारक होता हैं, इस विशेष अनुष्ठान में वाइटफील्ड सरजापुर, टीसी पाल्या, केआर पुरम आदि आसपास के अनेको क्षेत्रों के श्रावक श्राविका उपस्थित थे।

कुलदीप छाजेड़ बने ब्यावर संघ युवा शाखा के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ब्यावर संघ युवा शाखा की वार्षिक साधारण सभा में कुलदीप छाजेड़ को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत किया और नए अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए पदाधिकारियों को अच्छा श्रोता बनना चाहिए, धैर्यपूर्वक दूसरों की समस्याएं और बातें सुनकर उनका समाधान निकालना चाहिए, किसी भी बात की प्रतिक्रिया उस बात को समझकर ही देनी चाहिए, जल्दबाजी में हमें कुछ भी ग़लत फैसला नहीं लेना चाहिए और सभी को साथ में लेकर सभी के सहयोग से संघ की गतिविधियों को आगे बढ़ाना चाहिए।निवर्तमान महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने पिछले कार्यकाल की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की। कोषाध्यक्ष नमित कोठारी और सहकोषाध्यक्ष भरत कोठारी ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष विकास खटोड़ ने सभी को आगामी कार्यकाल में सहयोग प्रदान करने की बात कही। चेयरमैन महेन्द्र भन्साली ने शुभकामनाएं दी। नवीन कार्यकारिणी की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। सहमंत्री नरेश बोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाशिवरात्रि महोत्सव

बेंगलूरु के हंपीनगर स्थित शिव मंदिर में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में महेंद्र मुणोत ने भगवान शिव का दुग्धाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि शिव ही सत्य, प्रेम, प्रकाश है। शिव का भाव ही कल्याण है। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.